राष्ट्रीय दैनिक

बुद्ध का संदेश

हिन्दी समाचार पत्र

लखनऊ,कानपुर,कन्नौज,बरेली,सीतापुर,सोनभद्र,गोण्डा,बाराबंकी,बलरामपुर,श्रावस्ती,बहराइच,अम्बेडकरनगर,फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर,गोरखपुर,कुशीनगर,देवरिया,महराजगंज,सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

पोल्का डॉट साड़ी में...8

दैनिक बुद्ध का संदेश | 9795951917,9415163471 | @budhakasandesh | budhakasandeshnews@gmail.com | www.budhakasandesh.com

शुक्रवार, 14 अक्टूबर 2022 सिद्धार्थनगर संस्करण | www.budhakasandesh.com | वर्ष: 09 अंक: 294 पृष्ठ 8 आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ सुचीबद्ध कोड– SDR-DLY-6849, डी.ए.वी.पी.कोड–133569 | सम्पादक : राजेश शर्मा | उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

नया भारत अतीत की चुनौतियों पर काबू पा रहा और तेजी से आगे बढ़ रहा: मोदी

शिमला। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की चौथी 'वंदे भारत एक्सप्रेस' ट्रेन को हिमाचल प्रदेश के ऊना रेलवे स्टेशन से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। राज्य को वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन की सौगात देते हुए भी पीएम मोदी ने जनता को संबोधित किया। ऊना में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा मुझे धनतेरस और दिवाली से पहले हिमाचल प्रदेश के लिए कई हजार करोड़ रुपये के उपहारों की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने आगे कहा कि हिमाचल प्रदेश के ऊना में शुरू की गईं फार्मा, शिक्षा और रेल परियोजनाओं से क्षेत्र के विकास के ऊना में बल्क ड्रग पार्क में 2,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि ग्रामीण सड़क मार्गों का विकास, जलापूर्ति और स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता के साथ–साथ डिजिटल बुनियादी ढांचे में प्रगति हमेशा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता रही है। नया भारत अतीत की चुनौतियों पर काबू पा रहा है और तेजी से बढ़ रहा है। ऊना और हिमाचल प्रदेश में दिवाली का त्योहार जल्दी आ गया है। आज मैंने नई वंदे भारत ट्रेन के उद्घाटन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। देश में शुरू होने वाली यह चौथी वंदे भारत ट्रेन है।

पर सकारात्मक असर पड़ेगा। मेरी सरकार लोगों की जरूरतों को पूरा कर रही है, केंद्र और हिमाचल प्रदेश की पूर्ववर्ती सरकारें इन्हें समझने में नाकाम रही थीं। राज्य में अपनी सरकार की तारीफ करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि डबल इंजन की सरकार हिमाचल प्रदेश

हिजाब बैन पर आया असदुद्दीन ओवैसी का बयान, बोले: बीजेपी ने बिना जरूरत के इसे मुद्दा बनाया

बेगलुरु। कर्नाटक के शैक्षणिक संस्थानों में हिजाब बैन को लेकर आज सुप्रीम कोर्ट ने खंडित फैसला सुनाया है। इसके बाद इसको लेकर एआईएमआईएम प्रमुख और हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी का भी बयान सामने आया है। असदुद्दीन ओवैसी ने साफ तौर पर कहा है कि हिजाब को भाजपा ने बेमतलब का बड़ा मुद्दा बनाया है। हैदराबाद से सांसद ने कहा कि मेरे हिजाब से हाई कोर्ट का निर्णय कघनून के मामले में खराब था और कघ्रआन की बातों को गलत तरह से पढ़ा। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि कर्नाटक की बच्चियां इसलिए हिजाब पहन रही क्योंकि कघ्रआन में अल्लाह ने उन्हें कहा है। ठश्रच ने बिना जरूरत के इसे मुद्दा बनाया। गौरतलब है कि आज कर्नाटक हिजाब मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई खंडित फैसला आने के बाद से इसे प्रधान न्यायाधीश के पास भेज दिया गया है। इसके बाद एक बड़े पीठ का गठन होगा जो इस मामले को लेकर अपना फैसला सुनाएगा। दरअसल, कर्नाटक हिजाब बैन मुद्दा जब हाईकोर्ट में पहुंचा था तो कोर्ट ने इस पर प्रतिबंध हटाने से इंकार कर दिया था। हाई कोर्ट के इसी आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई थी और कई याचिकाएं दायर की गई थी। इन याचिकाओं पर आज सुनवाई हुई है। न्यायमूर्ति हेमंत गुप्ता ने हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ दायर याचिकाओं को जाना खारिज कर दिया। वहीं, न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया ने उन्हें स्वीकार कर लिया और कहा कि क्या पहनना है यह पसंद का मामला है। आपको बता दें कि एक जनवरी, 2022 को कर्नाटक के उडुपी में एक प्री–यूनिवर्सिटी कॉलेज की कुछ मुस्लिम छात्राओं को हिजाब पहनकर कक्षाओं में जाने की अनुमति नहीं दी गयी। इसके बाद छात्राओं ने कॉलेज प्रशासन के खिलाफ धरना शुरू कर दिया। बाद में इस मुद्दे को सुलझाने के लिए कर्नाटक सरकार ने विशेषज्ञ समिति का गठन किया था। 31 जनवरी को छात्राओं ने हिजाब पर प्रतिबंध के खिलाफ उच्च न्यायालय का रुख किया और यह घोषणा करने की मांग की कि हिजाब पहनना भारत के संविधान के तहत गारंटीकृत मौलिक अधिकार है। पांच फरवरी को कर्नाटक सरकार ने शैक्षणिक संस्थानों में समानता एवं अखंडता के अधिकार और सार्वजनिक व्यवस्था का उल्लंघन करने वाले कपड़ों पर प्रतिबंध लगा दिया।

उच्च शिक्षण संस्थान स्कूलों के 'विद्यांजलि' कार्यक्रम के बारे में जानकारी का प्रसार करें : यूजीसी

नयी दिल्ली। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने सभी उच्च शैक्षणिक संस्थानों एवं उनसे संबद्ध कॉलेजों/संस्थानों से स्कूली शिक्षा को बढ़ावा देने वाले 'विद्यांजलि कार्यक्रम' के बारे में छात्रों एवं कर्मचारियों को जानकारी देने को कहा है ताकि वे इस अभियान से जुड़ सकें। यूजीसी के सचिव पी के ठाकुर ने देश के सभी विश्वविद्यालयों, कॉलेजों/संस्थाओं को 12 अक्टूबर को पत्र लिखकर यह आग्रह किया।

पत्र में कहा गया है कि शिक्षा मंत्रालय के स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग ने पिछले वर्ष 'विद्यांजलि' ऑनलाइन पोर्टल शुरू किया था। विद्यांजलि एक अनोखा 'स्कूल स्वयंसेवा प्रबंधन कार्यक्रम' है जो समुदायों एवं संगठनों को देश के शहरी एवं ग्रामीण इलाकों में स्कूलों से जुड़ने का अवसर प्रदान करता है। ठाकुर ने लिखा कि विद्यांजलि की संकल्पना राष्ट्रीय शिक्षा नीति की भावना के अनुरूप की गई है जो देश में शिक्षा प्रणाली में बदलाव लाने के लिये स्वयंसेवा एवं सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देती है। इसका मकसद स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता को बेहतर बनाना तथा निजी क्षेत्र की भागीदारी से सरकार एवं सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में आधारभूत ढांचे को मजबूत बनाना है। यूजीसी के सचिव ने कहा कि कोई भी स्वयंसेवक विद्यांजलि पोर्टल के माध्यम से सेवा, परिसम्पत्ति, सामग्री या उपकरण आदि प्रदान कर सकता है। उन्होंने बताया कि इसके तहत सेवा खंड में स्वयंसेवक विषयों में मदद कर सकते हैं, तकनीकी कला एवं शिल्प, योग एवं खेल, व्यवसायिक कौशल, भाषा, विशेष जरूरत वाले बच्चों को शिक्षा सहायता, मध्याह्न भोजन में पोषण सहायता में योगदान दे सकते हैं।

गोपाल इटालिया को NCW ने भेजा समन तो भड़के आप कार्यकर्ता, रेखा शर्मा ने किया यह ट्वीट

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ कथित तौर पर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर भाजपा आम आदमी पार्टी के गुजरात प्रमुख गोपाल इटालिया के खिलाफ जबरदस्त तरीके से हमलावर है। गोपाल इटालिया का वीडियो सोशल मीडिया पर जबरदस्त तरीके से वायरल था। इसी के बाद राष्ट्रीय महिला आयोग ने भी गोपाल इटालिया को समन भेजा था। हालांकि, महिला आयोग के इस कदम को लेकर आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता सड़कों पर आ गए हैं। आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता दिल्ली में राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष रेखा शर्मा के कार्यालय के बाहर प्रदर्शन कर रहे हैं। इसको लेकर कुछ तस्वीरें भी सामने आ गई है। आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता लगातार महिलाओं के खिलाफ नारे लगा रहे हैं और उनके हाथों में तख्तियां भी दिखाई दे रही है। इन सबके बीच गोपाल इटालिया ने अपना एक ट्वीट भी किया है। आम आदमी पार्टी के गुजरात प्रमुख गोपाल इटालियन ने अपने ट्वीट में लिखा कि राष्ट्रीय महिला आयोग के अध्यक्ष मुझे जेल में डालने की धमकी दे रही है। मोदी सरकार पटेल समाज को जेल के सिवा दे ही क्या सकती है। बीजेपी पाटीदार समाज से नफरत करती है। मैं सरदार पटेल का वंशज हूँ। तुम्हारी जेलों से नहीं डरता। डाल दो मुझे जेल में। इन्होंने पुलिस को भी बुला लिया है। मुजे धमका रहे है। दूसरी ओर राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष रेखा शर्मा ने कहा कि सभी आम आदमी पार्टी मेरे दफ्तर के बाहर हंगामा कर रहे हैं। रेखा शर्मा ने अपने ट्वीट को दिल्ली पुलिस और प्रधानमंत्री कार्यालय को भी टैग किया। वहीं, इटालिया के वायरल वीडियो पर भाजपा आप पर हमलावर है।

सीआईसीए शिखर सम्मेलन में बोला भारत, पाक वैश्विक आतंकवाद का केंद्र, कश्मीर पर टिप्पणी का कोई अधिकार नहीं

नई दिल्ली। एशिया में बातचीत और विश्वास निर्माण उपायों पर आयोजित सम्मेलन सीआईसीए में भारत ने एक बार फिर से पाकिस्तान को लताड़ लगाई है। भारत की तरफ से हरिवंश ने कहा कि पाकिस्तान को भारत–विरोधी आतंकवाद को तुरंत बंद करना चाहिए और आतंकवाद के अपने बुनियादी ढांचे को बंद करना चाहिए। भारत ने कहा कि पाकिस्तान को पीओजेके में मानवाधिकारों के उल्लंघन को रोकना चाहिए। पीओजेके की स्थिति में किसी भी भौतिक परिवर्तन को प्रभावित करने से बचना चाहिए और अपने अवैध कब्जे के तहत भारतीय क्षेत्रों को खाली करना चाहिए। हरिवंश ने कहा कि दुर्भाग्यपूर्ण है कि पाकिस्तान ने एक बार फिर इस मंच का दुरुपयोग झूठे और दुर्भावनापूर्ण प्रचार का प्रचार करने और आज की चर्चाओं से ध्यान हटाने के लिए किया है।

भारत और मिस्र राजनयिक संबंधों के 75 साल, जयशंकर अपने समकक्ष से 2 दिवसीय यात्रा पर इन मुद्दों को लेकर करेंगे बात

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा करने और अपने मिस्र के समकक्ष के साथ पारस्परिक हित के कई वैश्विक मुद्दों पर चर्चा करने के लिए 15 अक्टूबर यानी शनिवार से मिस्र की दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर रहेंगे। मिस्र के विदेश मंत्री समेह हसन शौकरी के निमंत्रण पर 15–16 अक्टूबर को यह यात्रा हो रही है। विदेश मंत्री एस जयशंकर की मिस्र की ये पहली द्विपक्षीय यात्रा है। यात्रा के दौरान विदेश मंत्री समेह शौकी के साथ पारस्परिक हित के कई द्विपक्षीय क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा होगी। विदेश मंत्री छात्रों सहित मिस्र में स्थित भारतीय समुदाय के साथ बातचीत करेंगे और मिस्र और भारतीय व्यापारिक समुदायों की एक सभा को भी संबोधित करेंगे। भारत और मिस्र पारंपरिक रूप से ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और मैत्रीपूर्ण संबंधों रहे हैं। दोनों देश इस साल राजनयिक संबंधों की स्थापना के 75 साल पूरे होने का जश्न मना रहे हैं। 2022–23 में जी–20 की भारत की अध्यक्षता के दौरान मिस्र को श्अतिथि देशश के रूप में आमंत्रित किया गया है। मिस्र अफ्रीका में भारत के सबसे बड़े व्यापारिक साझेदारों में से एक रहा है और यात्रा के दौरान द्विपक्षीय व्यापार, वाणिज्य और निवेश को बढ़ावा देना फोकस क्षेत्रों में से एक होगा। वित्तीय वर्ष 2021–22 के दौरान भारत–मिस्र द्विपक्षीय व्यापार 7.26 बिलियन अमरीकी डॉलर के रिकॉर्ड उच्च स्तर को छू गया। मिस्र में भारतीय निवेश 3. 15 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक मिस्र में विनिर्माण, रसायन, ऊर्जा, बुनियादी ढांचा, खुदरा आदि जैसे क्षेत्रों में 50 से अधिक भारतीय कंपनियां सक्रिय रूप से मौजूद हैं।

उद्धव गुट ने चुनाव आयोग को लिखा 12 सूत्री पत्र, चुनाव चिन्ह और पार्टी का नाम तय करने में भेदभाव का लगाया आरोप

शिवसेना (उद्धव ठाकरे) ने चुनाव आयोग को पत्र लिखकर पार्टी को अंतरिम चुनाव चिन्ह और नाम आवंटित करने के मामले में चुनाव आयोग के हालिया फैसलों पर आपत्ति जताई है। शिवसेना (उद्धव ठाकरे) ने चुनाव आयोग को लिखे अपने पत्र में कहा, ष्ईसीआई के कई संचार और कार्यों ने प्रतिवादी (शिवसेना उद्धव ठाकरे) के मन में पूर्वाग्रह की गंभीर आशंका को जन्म दिया है। उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाले शिवसेना गुट की तरफ से चुनाव आयोग को 12 सूत्री पत्र लिखकर एकनाश शिंदे गुट के पक्ष में पार्टी का चुनाव चिन्ह और नाम तय करने का आरोप लगाया है। उद्धव गुट की तरफ से चुनाव आयोग को लिखे पत्र में आरोप लगाया है कि चुनाव आयोग ने टीम ठाकरे की पसंद के नामों और प्रतीकों को संभवतरू (टीम शिंदे) द्वारा अपनी सूची प्रस्तुत करने से पहले ही चुनाव निकाय की वेबसाइट पर अपलोड्ड करके साझा कर दिया था। इससे टीम शिंदे को ठाकरे गुट द्वारा सुझाए गए विकल्पों की नकल करने की अनुमति मिल गई। उद्धव गुट ने आरोप लगाते हुए कहा कि वो हैरान हैं कि चुनाव आयोग ने अपनी वेबसाइट से उस पत्र को हटा लिया। बता दें कि शिंदे गुट को बालासाहेबची शिवसेना का नाम मिला यानी की बालासाहेब की शिवसेना। इसके साथ ही शिंदे गुट को तलवार और ढाल का सिंबल मिला है। शिवसेना का चुनाव चिन्ह तीर कमान हुआ करता था। अब उद्धव गुट को मशाल चुनाव चिन्ह दिया गया है। वहीं उद्धव गुट को शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे का नाम मिला है।

नीतीश जी अब नाराजगी के नहीं बल्कि दया के पात्र हो चुके हैं, बिहार भाजपा प्रमुख बोले: Get Well Soon भाई

पटना। बिहार में भाजपा और जदयू के बीच में जबरदस्त तरीके से वार–पलटवार का दौर चल रहा है। हाल में ही भाजपा के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जयप्रकाश नारायण की 120 वीं जयंती के अवसर पर सारण पहुंचे थे। इस दौरान अमित शाह ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर जबरदस्त तरीके से निशाना साधा था। अमित शाह के ही बयान पर पलटवार करते हुए नीतीश कुमार ने कहा था कि जिनकी राजनीति ही पिछले 20 सालों में शुरू हुई है, उनके बारे में हम क्या बोल सकते हैं। अब इसी को लेकर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय जायसवाल ने नीतीश कुमार पर प्रहार किया है। संजय जायसवाल की ओर से एक के बाद एक कई ट्वीट किए गए। अपने ट्वीट में नीतीश कुमार पर तंज कसते हुए संजय जायसवाल ने साफ तौर पर कहा कि अब वह नाराजगी कि नहीं बल्कि दया के पात्र हो चुके हैं। इसके साथ ही उन्होंने नीतीश कुमार के लिए लिखा के गेट वेल सून भाई। संजय जायसवाल ने अपने ट्वीट में लिखा कि अच्छा है कि नीतीश कुमार जी ने तेजस्वी जी को मुख्यमंत्री बना कर आश्रम खोलने का निर्णय कर लिया है। वरना जिस तरह की बातें वह कह रहे हैं उससे बिहार का भगवान भी मालिक नहीं रह पाएगा। वह माननीय गृह मंत्री के इमरजेंसी के समय के योगदान पर चर्चा कर रहे थे। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि अर्थात 9 वर्ष की उम्र में गृह मंत्री जी क्यों नहीं इमरजेंसी आंदोलन में शामिल थे?? जल्दी ही वह यह भी कहेंगे कि बिहार में स्वतंत्रता सेनानियों की चर्चा केवल वही करेंगे जो 100 वर्ष के ऊपर हैं और 1857 की लड़ाई के बारे में चर्चा करना बिहार में अपराध माना जाएगा क्योंकि अभी 170 वर्ष का कोई व्यक्ति बिहार में मौजूद नहीं है।

निर्वाण दिवस पर याद किए गए डॉ. राममनोहर लोहिया

समाजवादियों ने डॉ. लोहिया की प्रतिमा पर अर्पित की श्रद्धांजलि

अयोध्या । निर्वाण दिवस डॉ राममनोहर लोहिया को समाजवादियों ने श्रद्धांजलि अर्पित की चौकी स्थित डॉ लोहिया की प्रतिमा पर माल्यार्पण करने के बाद समाजवादी पार्टी कार्यालय लोहिया भवन गुलाब बाड़ी पर उनके चित्र पर माल्यार्पण करके श्रद्धांजलि अर्पित की गई पार्टी कार्यालय पर एक विचार गोष्ठी के माध्यम से डॉ राममनोहर लोहिया को याद किया गया समाजवादी पार्टी के निवर्तमान प्रदेश उपाध्यक्ष पूर्व विधायक जय शंकर पांडे ने डॉ लोहिया को याद करते हुए कहां की नेताजी मुलायम सिंह यादव जो अब हम लोगों के बीच नहीं रहे उन्होंने डॉ लोहिया के विचारों को जिंदा रखा और उनके विचारों के आधार पर समाजवादी पार्टी का गठन किया जो आज पूंजीवादी शक्तियों के सामने मजबूती से लड़ रही है इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के निवर्तमान जिला अध्यक्ष गंगा सिंह यादव ने डॉ राम मनोहर लोहिया को श्रद्धांजलि अर्पित किया और कहां की डॉ लोहिया व नेताजी मुलायम सिंह यादव को समाजवादी पार्टी को मजबूत करना ही सच्ची श्रद्धांजलि होगी पूंजीवादी शक्तियों को समाजवादी विचार ही परास्त कर सकती है महानगर के निवर्तमान अध्यक्ष श्याम कृष्ण वास्तव ने डॉ राम मनोहर लोहिया को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहां की समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं को डॉ लोहिया व नेताजी के बताए हुए रास्ते पर चलने का संकल्प ले यही सच्ची श्रद्धांजलि होगी सपा के निवर्तमान जिला प्रवक्ता चौधरी बलराम यादव ने बताया कि सपा के नेताओं व कार्यकर्ताओं द्वारा चौक स्थित डॉ लोहिया की प्रतिमा पर माल्यार्पण करने के बाद पार्टी कार्यालय में उनके चित्र पर माल्यार्पण करके श्रद्धांजलि अर्पित की गई और डॉ लोहिया व नेताजी के विचारों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया इस अवसर पर मुख्य रूप से महानगर महासचिव हामिद जाफर मीसम मो हलीम पप्पू चौधरी बलराम यादव श्री चंद यादव राम अचल यादव राम अजोर यादव राम भवन यादव हसन इकबाल देशराज यादव नरेश अग्रवाल राकेश यादव डॉ अनुराग यादव उमेश यादव विक्की यादव अजय चौरसिया पंकज शर्मा आकिब खान राशिद सलीम घोसी वारिस राइन राजेंद्र कुमार मांझी महंत अनिल मिश्रा मो असलम गणेश दत्त पांडे दुर्गेश वर्मा आदि लोग मौजूद रहे।

सरयू के बढ़े जल स्तर से तबाही आलम

–अयोध्या गोंडा सम्पर्क मार्ग कटा

सोहावल–अयोध्या । प्रदेश में हुई मूसलाधार बारिश से अयोध्या जिले के निचले इलाकों में सरयू की तबाही का मंजर साफ दिखाई पड़ रहा है।निचले इलाकों में पानी भर जाने से पीड़ित लोगों को ऊंचे स्थानों पर लाकर प्रशासन उनके खाने पीने की व्यवस्था करवा रहा है।आज उप–जिलाधिकारी द्वारा माझा कला, मुमताजनगर व आस पास बाढ़ ग्रस्त क्षेत्रों का निरक्षण किया स पीड़ितों को बताया गया कि प्राइमरी विद्यालय कोटसराय में आप लोगों के लिये सभी व्यवस्थायें की गयी है स आप वही शरणालय में आकर निवास करें ।तहसील प्रशासन द्वारा आज बाढ़ पीड़तों को 200 पैकेट लंच पैकेट बांटा गया।सबसे ज्यादा बदतर स्थिति सोहावल से नबाबगंज जाने वाले ढेमवा सड़क की हो गयी है।ढेमवा पुल से सड़क पानी के तेज बहाव के कारण पूरी तरह बह गयी है।इस सड़क पर आवागमन पूरी तरह बंद हो गया है।गोंडा जिले के वेउंदा,दत्तनगर तुलसी पुर, साखीपुर के कछारी क्षेत्रो में भयंकर बाढ़ के कारण लोग इधर ही आ रहे हैं।बाढ़ की स्थित ऐसी हो गयी है कि लोग घरों की छतों पर बैठ कर पानी कम होने का इंतजार कर रहे हैं।इतना सब होने के बाद भी गोंडा प्रशासन का कोई अधिकारी आज तक इनकी सुधि नहीं ले पाया है।आज एक छोटी नाव से लोग ढेमवा घाट की तरफ आ रहे थे कि नाव पानी की धारा में फंस गयी ।नाव में फंसे लोगों की चीख पुकार सुनकर लोगों ने इसकी सूचना रौनाही पुलिस को दी।मौके पर पहुँची रौनाही पुलिस ने जल पुलिस की मदद से रेस्क्यू ऑपरेशन द्वारा फंसी नाव को निकाल कर लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुँचाया गया।सुबह से रौनाही पुलिस द्वारा एस एस आई सोहेल खान एस आई अशोक कुमार के देखरेख में आपरेशन चलाया जा रहा है स जिसमें 3 बजे तक लगभग 40 लोगों को निकाल लिया गया है।पूछे जाने पर एस एस आई सोहेल खान ने बताया कि अब तक 40 लोगों को निकाला जा चुका है स अभी आपरेशन शुरू है।

मांगों के समर्थन में रेल कर्मचारियों ने की भूंख हड़ताल

अयोध्या ।ऑल इंडिया रेलवे मेंस फेडरेशन तथा नार्दन रेलवे मेंस यूनियन के आह्वान पर नार्दन रेलवे मेंस यूनियन अयोध्या कैंट शाखा की ओर से . एक दिवसीय भूख हड़ताल आन्दोलन किया गया। स्टेशन अधीक्षक अयोध्या कैंट के कार्यालय के सामने आयोजित भूख हड़ताल की अध्यक्षता शाखा अध्यक्ष अंजुम मुख्तार खान तथा संचालन शाखा सचिव हीरालाल ने किया । विशिष्ट अतिथि के तौर पर मंडल उपाध्यक्ष अश्वनी तिवारी मौजूद रहे । शाखा अध्यक्ष अंजुम मुख्तार ने बताया कि सरकार की ओर से कर्मचारियों की लंबित मांगों को न मानने के कारण . ...पूरे भारतीय रेलवे में यह कार्यक्रम रखा गया है । शाखा मंत्री हीरालाल ने बताया कि कर्मचारियों की कुछ लंबित मांगे जिसे पूरा करने के लिए संगठन लगातार मांग करता आ रहा है। सरकार हमारी मांगों की लगातार अनदेखी कर रही है। कर्मचारियों की मांगों को गिनाते हुए मण्डल उपाध्यक्ष्ज्ञ अश्वनी तिवारी ने कहा कि रेलों का निजी करण व निगमीकरण से बन्द किया जाना चाहिए। निम्न वेतनमान में नियुक्ति पाए उच्च शिक्षा प्राप्त नौजवान रेल कर्मियों को उच्च वेतनमान में पदोन्नति के अवसर दिए जाएं। कैडर रिस्ट्रक्चरिंग लागू किया जाए । सभी समपारों पर आठ घंटे का ड्यूटी रोस्टर लागू किया जाए । एक जनवरी 2004 तथा उसके बाद रेलवे में नियुक्त हुए रेल कर्मियों को पुरानी गारंटीड पेंशन बहाल कर सामाजिक सुरक्षा प्रदान किया जाए । रनिंग एवं अन्य संरक्षा कोटियों के कर्मचारियों की समस्याओं का समयबद्ध निराकरण किया जाए । रेल कालोनियों ,गैंग हटों तथा रनिंग रूम व टीटी विश्रामालयों की खस्ताहाल स्थिति में सुधार किया जाए । सभी महिला कार्य स्थलों व विकलांग कर्मचारियों के लिए अलग शौचालय निर्माण कराए जाएं । अन्य लंबित मांगों को शीघ्र पूरा कराया जाए । भूंख हड़ताल में वी बी सिंह, एपी मौर्या , रमाकांत यादव ,सौरभ पांडेय , अमित यादव , के के सिंह , राम सागर , अमित यादव , श्रद्धा यादव , इंद्रावती , आशा , अम्बिका भारती, प्रभावती देवी , पंचदेव , जाहिर अली , कृष्णा रावत , अमित गौतम पवन वर्मा आलोक यादव , मदन लाल , राकेश सिंह, प्रशान्त पाण्डेय , राज कुमार गुप्ता , नीरज श्रीवास्तव, बी के चौबे , पी के मिश्र , एम एन मिश्र , संजीव कनौजिया, चुन्नू अली , कपिल देव , राम सुधार, प्रवीण पटेल तथा डेलीगेट , युवा कार्यकर्ता , सक्रिय कार्यकर्ता तथा महिला विंग व अन्य कर्मचारियों ने धरने में भाग लिया ।

हैरिंग्टनगंज विद्युत सब स्टेशन की सप्लाई 24 घंटे से बंद

मिल्कीपुर–अयोध्या । हैरिंग्टनगंज विद्युत सब स्टेशन की सप्लाई पिछले 24 घंटे से अधिक समय से बाधित है। सब स्टेशन की मशीनों में आई तकनीकी खराबी की वजह से सब स्टेशन के छह फीडरों पर ही सप्लाई बंद हो गई है। बताया गया कि सब स्टेशन के लाखों उपभोक्ताओं को .. रात अंधेरे में गुजारनी पड़ी। उपभोक्ताओं ने बताया कि मोतीगंज, जय मां धमसा व कोंछा फीडर की सप्लाई सुबह से ही बंद हो गए थे। क्योंकि इनकमिंग टू मशीन में गड़बड़ी आ गई थी और देर शाम हैरिंग्टनगंज सब स्टेशन की इनकमिंग वन मशीन भी खराब हो गई। जिसके कारण इण्डोडच फीडर के साथ हरिनाथपुर और हैरिंग्टनगंज की सप्लाई बंद हो गई। कुलमिलाकर ही हैरिंग्टनगंज विद्युत सब स्टेशन के सभी छह फीडरों पर सप्लाई बाधित बंद गई है। इस बारे में बिजली विभाग के अधिकारी जानकारी देने से आनाकानी कर रहे हैं। लाइनमैन से लेकर अधिकारियों तक का फोन नहीं रिसीव हो पा रहा है।

एसडीएम ने बाढ़ प्रभावित गांवों का किया निरीक्षण

रूदौली–अयोध्या । तहसील रूदौली अंतर्गत आने वाले तराई क्षेत्र के गांवों में बाढ़ का प्रकोप दिन ब दिन बढ़ता ही जा रहा है। बाढ़ की स्थिति का जायजा लेने उपजिलाधिकारी स्वप्निल यादव बाढ़ प्रभावित क्षेत्र पहुँचे जहाँ उन्होंने ग्रामवासियों का हाल जाना । बाढ़ प्रभावित क्षेत्र पहुँचे उपजिलाधिकारी ने नाव पर सवार होकर कैथी, सल्लाहपुर, महंगू का पुरवा, सराय नासिर, अब्बूपुर आदि गाँवों का जायजा लिया तथा बाढ़ चौकियों पर तैनात कर्मचारियों को पूरी तरह सतर्क रहने का निर्देश दिया। एसडीएम ने कहा कि हम लगातार बाढ़ प्रभावित क्षेत्र के ग्रामवासियों के सम्पर्क में है तथा उनकी हर जरूरतों का ध्यान भी रखें हुए हैं, उनकी किसी भी तरह की परेशानी से निपटने के पूरे इंतजाम किये गए हैं।

ट्रेन से कटकर किशोर की मौत

रूदौली–अयोध्या । लखनऊ–अयोध्या रेल प्रखंड पर रौजागांव रेलवे स्टेशन के समीप शौच के लिए गए एक किशोर की ट्रेन की चपेट में आ जाने से दर्दनाक मौत हो गई। घटना रात लगभग साढ़े नव बजे के आसपास की बताई जा रही है अयोध्या से लखनऊ की ओर जा रही साबरमती एक्सप्रेस की चपेट में आ जाने से रेलवे स्टेशन के समीप स्थित ग्राम बैनामा का पुरवा निवासी 17 वर्षीय शिवनंदन लोधी पुत्र रामफल लोधी की दर्दनाक मौत हो गई। आरपीएफ रूदौली चौकी प्रभारी शिवानन्द यादव ने बताया कि मृतक के शव का पंचनामा भरकर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

एक ही गांव से तीन किशोरियां लापता, इलाके में फैली सनसनी

रूदौली–अयोध्या । रुदौली सर्किल के मवई थाना क्षेत्र के एक गांव में तीन किशोरियों के लापता हो जाने से इलाके में सनसनी फैल गई है, तीनों किशोरियां एक ही दिन घर से गायब हुई हैं। परिजनों दी गई तहरीर पर मवई पुलिस लापता किशोरियों को बरामद करने के प्रयास में जुटी है। बता दें की मवई थाना क्षेत्र अंतर्गत एक गांव से तीन किशोरियां रहस्यमय परिस्थितियों में लापता हो गई हैं किशोरियों के परिजनों का कहना है कि तीनों आपस मे घनिष्ठ सहेली थी जो एक साथ ही रहती थी और एक साथ ही कहीं आती–जाती भी थीं। रविवार की शाम चार बजे तीनों एक साथ शौच के लिए निकली थी जिसके बाद वह देर रात तक वापस नहीं आई तो परिजनों ने खोजबीन शुरू किया लेकिन तीनों का कहीं पता नहीं चला तो पीड़ित परिजनों ने सोमवार को मवई थानें में तीनों की गुमशुदगी की तहरीर दी जिसपर मवई पुलिस एफआईआर दर्ज कर किशोरियों की खोजबीन में जुट गई है। मवई थाना प्रभारी नीरज सिंह ने बताया कि पीड़ित परिजनों की तहरीर पर एफआईआर दर्ज कर किशोरियों की तलाश के लिए पुलिस टीम को लगाया गया है।

कलश यात्रा के साथ होगा हनुमत रूद्र महायज्ञ एवं मानस वेदांत संत सम्मेलन

उन्नाव। असोहा स्थित पावन धाम कुटीबीर बाबा में सातवां नौ दिवसीय हनुमत रूद्र महायज्ञ एवं मानस वेदांत संत सम्मेलन का शुभारंभ बृहस्पतिवार को कलश यात्रा के साथ होगा। महायज्ञ एवं संत समागम कार्यक्रम के मुख्य आयोजक भाजपा नेता संजय शुक्ल ने बताया कि उक्त नव दिवसीय हनुमत रूद्र महायज्ञ लगातार सातवीं बार हो रहा है। उक्त कार्यक्रम में अयोध्या से पधारे यज्ञाचारी विनोदाचारी के द्वारा यज्ञ कार्यक्रम सम्पन्न कराया जाएगा। वहीं नैमिष, बनारस, इलाहबाद एवं उरई से पधारे विद्वतजनों द्वारा मानस, भागवत व अन्य विषयों पर प्रवचन दिए जाएंगे। उन्होंने बताया कि कलश यात्रा कुटीबीर बाबा मंदिर प्रांगड़ से शुरू होकर सई नदी स्थित देवल मुनि आश्रम तक बाजे गाजे के साथ जाएगी। क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में कलश यात्रा में शामिल होने का आग्रह आयोजकों द्वारा किया गया है।

चतुर्थ चरण में वाक इन के माध्यम से अभ्यर्थी ले सकते है आईटीआई संस्थान में प्रवेश

उन्नाव। (आरएनएस)आईटीआई प्रशिक्षण में प्रवेश के लिए अभ्यर्थियों को संस्थान ने एक अवसर प्रदान किया है। जिसमें प्रधानाचार्य अवनीन्द्र कुमार पांडेय ने बताया कि राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में रिक्त सीटों पर चतुर्थ चरण के प्रवेश प्रक्रिया में वाकइन के माध्यम से अभ्यर्थी संस्थान में संपर्क कर सकते है। प्रवेश के लिए नवीन पंजीकरण आगामी दिनांक 14 अक्तूबर रात्रि 12 बजे तक आनलाइन किए जा सकते है। पंजीकरण संस्थान की वेबसाइड के माध्यम से कर सकते है।

विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान के तहत पहुंचाई जागरुकता

उन्नाव।विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान दस्तक अभियान 2022 के अंतर्गत जनपदवासियो को संचारी रोगों से बचाव के सम्बंध में नोडल विभाग सहित अन्य सहयोगी विभागों द्वारा कार्यवाही संपादित कराई गई। नवाबगंज के वार्ड पछियॉव में साफ सफाई एवं एन्टी लार्वा छिड़काव की कार्यवाही संपादित कराई गयी।नगर पालिका उन्नाव द्वारा वाल राइटिंग के माध्यम से संचारी रोगों से बचाव के सम्बंध कारवाही की जा रही है। उपरोक्त वार्डो में फॉगिग का कार्य सायं 6 बजे से 8 बजे के मध्य सम्पन्न कराया जायेगा। जिले के समस्त सामुदायिकध्प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर दस्तक अभियान के अंतर्गत आशाओं द्वारा घर घर भ्रमण,प्रचार प्रसार एवं एन्टीलार्वल कार्यवाही सम्पन्न कराई जा रही है। बाल विकास पुस्टाहार विभाग द्वारा आशाओं के साथ मिलकर ब्लॉक–मियागंज,बिछिया व फतेहपुर 84 में जनमानस को साफ सफाई रखने हेतु जानकारी एवं प्रचार प्रसार की कार्यवाही सम्पादित करायी गयी।

बारिश से फसले तबाह,किसान बीमा दिलाने की तैयारी

कानपुर।जिले में लगातार बारिश ने फसलों को तबाह कर दिया है। उपनिदेशक कृषि अरुण कुमार चौधरी ने फसलों के नुकसान को लेकर सर्वे रिपोर्ट संयुक्त कृषि निदेशक कानपुर मंडल को भेजी है। अरुण कुमार ने बताया कि तिल, मूंग और उर्द की 35 फीसदी फसल नष्ट हो गई हैं। धान 15,मक्का,ज्वार,अरहर और बाजरा 10–10 फीसदी नष्ट हो गया है। अभी भारी बारिश की संभावना को देखकर किसानों को अलर्ट किया गया है। बाकी गन्ना समेत अन्य कोई फसल नष्ट नहीं हुई है। अब सभी को किसान बीमा दिलाने की तैयारी हो रही है। खरीफ की फसल पूरी तैयारी खड़ी थी। बारिश से पूरी खराब हो गई है।

पिकअप की टक्कर से घायल किशोर के मामले में मुकदमा दर्ज

मिल्कीपुर–अयोध्या । इनायत नगर थाना क्षेत्र स्थित तरौली बाजार के पास तेज रफ्तार अनियंत्रित पिकअप चालक ने साइकिल सवार किशोर को जोरदार टक्कर मार दिया जिसके चलते किशोर गंभीर रूप से घायल हो गया मौके पर मौजूद लोगों ने आनन–फानन में घायल किशोर को इलाज के लिए सीएचसी पहुंचाया जहां हालत नाजुक डॉक्टरों ने रेफर कर दिया है। मामले में घायल किशोर के पिता की तहरीर पर इनायत नगर थाने के प्रभारी निरीक्षक ने पिक अप एवं चालक अज्ञात के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया है। इनायत नगर थाना क्षेत्र के दसौली पूरे रगड़गंज गांव निवासी रामदीन पुत्र देवीदीन ने इनायत नगर पुलिस को दी गई तहरीर में आरोप लगाया है कि वह बीते 9 अक्टूबर को रात करीब 9 बजे अपने पुत्र अमन के साथ कपड़ा लेने तरौली बाजार के लिए निकला था। उनका 14 वर्षीय बेटा उनकी साइकिल के पीछे दूसरी साइकिल से चल रहा था। तरौली बाजार स्थित पाठक मेडिकल स्टोर के सामने 14 वर्षीय अमन साइकिल लेकर पहुंचा ही था, कि कुरावन से कुचेरा की तरफ तेज रफ्तार गति से लापरवाही पूर्वक चलाते हुए पिकअप यूपी 42 बीटी 0155 के चालक ने किशोर की साइकिल में जोरदार टक्कर मार दिया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया मौके पर मौजूद लोगों द्वारा आनन–फानन में घायल किशोर को इलाज के लिए सीएचसी मिल्कीपुर ले जाया गया। जहां हालत नाजुक देख अस्पताल के डॉक्टरों ने रेफर कर दिया। किशोर के परिजन युवक को इलाज के लिए फैजाबाद शहर स्थित राजराजेश्वरी हॉस्पिटल नियावां रोड ले गए जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। पीड़ित पिता रामदीन की तहरीर पर पिकअप उपरोक्त के चालक नाम पता अज्ञात के विरुद्ध प्रभारी निरीक्षक अमरजीत सिंह ने धारा 279, 337, 338 एवं 427 आईपीसी के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है।

मासूम की सेप्टिक टैंक में गिरकर डूबने से मौत

पड़ोसी के निर्माणाधीन मकान में बच्चे का शव उतराता मिला

कानपुर(आरएनएस)। नौबस्ता के बक्तौरीपुरवा में पानी के टैंक में डूबने से बच्चे की मौत हो गई। परिजन बच्चे को तलाशते हुए पड़ोसी के निर्माणाधीन मकान में पहुंचे तो बच्चे का शव उतराता मिला। सूचना पर नौबस्ता पुलिस जांच करने पहुंची। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कानपुर देहात के मैथा निवासी राजमिस्त्री सनी सोनकर पत्नी सीता,बेटे अंश उर्फ बल्लू (6),अक्षांश (3) के साथ करीब पांच साल से कानपुर के नारायणपुरी में जयराम के मकान में किराए पर रह रहे हैं। इसी मकान में सनी के साले दीपू का भी परिवार व अन्य एक परिवार भी रहता है। दीपू ने बताया अंश यूकेजी का छात्र था और रात करीब आठ बजे मोहल्ले में रहने वाले चार–पांच बच्चों के साथ घर के बाहर खेल रहा था। कुछ देर बाद बाकी बच्चे तो घर चले गए लेकिन अंश नहीं लौटा। इसपर उसकी तलाश करते हुए बच्चों से जानकारी लेकिन कुछ पता नहीं चला। पूछताछ के दौरान 10 वर्षीय बच्चे ने घर के सामने के हरीश कुमार के निर्माणाधीन मकान के सेप्टिक टैंक में अंश के गिरने की जानकारी दी। स्वजन और मोहल्ले के लोग पहुंचे तो बच्चा टैंक में कहीं नहीं दिखा। 10 फिट गहरे सेप्टिक घर के लोग किसी तरह सेप्टिक टैंक में उतरे और तलाश की बच्चा मिल गया। उसे बाहर निकालकर अस्पताल ले जाया गया, जहां डाक्टर ने अंश को मृत घोषित कर दिया।

इलाज के बहाने कैदियों की मौज,सिगरेट पिलाई, खाना खिलाया और शहर की सैर भी कराई

कानपुर।कैदियों को मौज कराने पर पुलिस महकमा कठघरे में आ गया है। शहर में एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है,जिसमें कुछ पुलिसकर्मी इलाज के लिए जेल से बाहर आए कैदियों को मौज करा रहे हैं और खुद भी उनके साथ सिगरेट के छल्ले उड़ा रहे हैं। इलाज के बाद जेल वापस आते वक्त दोनों कैदियों को सिगरेट पिलाई, खाना खिलाया और शहर की सैर भी कराई। पुलिस आयुक्त ने मामले में पुलिस कर्मियों की जांच के लिए टीम बनाई है, वहीं जेल प्रशासन ने भी जांच शुरू करा दी है। सुरक्षा में गए थे एचसीपी व दो सिपाही: कानपुर जिला कारागार में निरुद्ध कैदी प्रकाश और यासिर अहमद के बीमारी के चलते इलाज के लिए एंबुलेंस से एलएलआर अस्पताल भेजा गया था।

दोनों कैदियों की सुरक्षा में जिला कारागार के एचसीपी सूरज पाल सिंह व सिपाही संदीप त्यागी के साथ पुलिस लाइन के सिपाही अभय कुमार और संदीप समेत पांच लोग साथ गए थे। अस्पताल में उपचार के बाद दोनों कैदियों को तीन घंटे तक एंबुलेंस से सैर कराकर खूब मौज कराई गई। साथ मौजूद रहे पुलिसकर्मियों ने उनके साथ सिगरेट के धुएं के छल्ले उड़ाए और होटल का खाना खिलाया और खाया भी। पुलिस आयुक्त ने शुरू कराई जांच : एंबुलेंस में बैठे हुए सिगरेट पीते पुलिसकर्मी और खाना खाते कैदी का वीडियो वायरल हो रहा है। मामला संज्ञान में आने के बाद जेल प्रशासन के साथ कमिश्नरेट पुलिस की काफी किरकिरी हुई है। पुलिस आयुक्त बीपी जोगदंड ने मामले में जांच शुरू कराई है। उन्होंने कहा कि कमिश्नरेट पुलिस मामले की जांच कर रहा है लापरवाही बरतने वाले कांस्टेबलों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

सूचना

मैं नसीम पुत्र अ0 सत्तार,साकिन बर्डपुर नं.11 टो0,सुल्तानपुर थाना व जनपद सि0नगर,उ0प्र0 का निवासी हूं मैं यह शपथ पत्र देता हूं कि मेरा लड़का मोहम्मद हुसैन पुत्र नसीम मेरा कहा नहीं मानता है अक्सर गायब रहता है मोहम्मद हुसेन का क्रियाकलाप समाज विरोधी है जो आये दिन आपराधिक वाले व्यक्तियों के गतिविधियों के संगत में रहता है मेरा व मेरे परिवार वाले सदस्यों का एक भी बात नहीं मानता है जिस कारण बिना किसी जब्र व दबाव के अपने लड़के मोहम्मद हुसैन को सम्पूर्ण चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूँ। इसके द्वारा किए गए कार्य के लिए वह स्वयं उत्तरदाई होगा, मेरा व मेरे परिवार का उसके किसी भी कार्य से कोई लेना–देना नहीं होगा,भविष्य में यदि कोई भी व्यक्ति मोहम्मद हुसैन से कोई लेन–देन कर्ता है या कोई भी मुकदमा या कानुनी कार्यवाही होती तो वह स्वयं का जिम्मेदार होगा। मै अपने सम्पूर्ण चल व अचल सम्पत्ति को अपने चार पुत्रो रोहुल हसन,नूरूल हसन,मेहदी हसन,मोहम्मद हसन को वसीयत कर्ता हूँ मेरे मरने के बाद मेरे उपरोक्त चार पुत्र को अपने अपने हिस्से का मलिकाना हक मेरे समान प्राप्त होगा।

प्रार्थी

नसीम पुत्र अ0 सत्तार
साकिन बर्डपुर नं.11 टो0,सुल्तानपुर
थाना व जनपद सि0नगर,उ0प्र0।

दिनांक–23.09.2022

मुख्यमंत्री ने जनपद में देखा तबाही का मंजर ,हर तरफ पानी ही पानी

- सामूहिक किचन शुरु कराकर बाढ़ प्रभावितो को दोनो समय भोजन एवं स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराये
- जिन परिवारो में जन हानि हुई है उन परिवारो को रू0 4.00 लाख, अंग भंग होने पर रू0 60 हजार से रू0 2.50 लाख तक की सहायता।

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। बुद्धवार को मुख्यमंत्री उ0प्र0 योगी आदित्यनाथ ने जनपद के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण किया गया एवं तहसील डुमरियागंज के विकास खण्ड भनवापुर परिसर में बाढ़ पीड़ितो से संवाद तथा राहत सामग्री का वितरण किया गया। मुख्यमंत्री ने विकास खण्ड भनवापुर परिसर में बाढ़ पीड़ितो से संवाद किया गया तथा बाढ़ पीड़ित लोगो से प्रशासन द्वारा दी जा रही राहत सामग्री के बारे में जानकारी प्राप्त की गयी साथ ही मुख्यमंत्री ने बाढ़ पीड़ितो में राहत सामग्री का वितरण किया। मुख्यमंत्री ने मानचित्र के माध्यम से जनपद के बाढ़ प्रभावित गांवों के बारे में जानकारी प्राप्त की। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पहली बार अक्टूबर माह में बाढ़ आयी है। सभी को सुरक्षा एवं सहायता देना सरकार की पहली प्राथमिकता है। मैने कल भी बाढ़ प्रभावित जनपदो–गोण्डा, बहराइच, श्रावस्ती एवं बलरामपुर का दौरा किया था। आज मैने जनपद के बाढ़ प्रभावित गांवों का हवाई सर्वेक्षण कर हालात के बारे में जायजा लिया है। जनपद के 200 गांवो की लगभग 1 लाख की आवादी बाढ़ से प्रभावित है। आपदा में सरकार आपके साथ है, सभी प्रकार की सहायता की जायेगी। सभी का जीवन बचाना सरकार की प्राथमिकता है। अक्टूबर माह में किसानो द्वारा अपनी फसल को काटने का काम किया जाता था। आज फसल डूब गयी है। जिला प्रशासन द्वारा बाढ़ प्रभावितो को राहत सामग्री दी जा रही है। जिला प्रशासन के अलावा जनप्रतिनिधिगण भी बचाव कार्य में लगे हुए है। जिला प्रशासन को जिन गावों में घरो में पानी घुस गया है वहॉ पर सामूहिक किचन शुरू कराकर बाढ़ प्रभावितो को दोनो समय भोजन एवं स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने हेतु निर्देश दिया गया है तथा जहां पर घरो में पानी नही है वहां पर प्रति परिवार आटा 10 किग्रा0, चावल 10 किग्रा0,अरहर दाल 02 किग्रा0, नमक 02 किग्रा0, हल्दी 500 ग्रा0, मिर्च 250 ग्रा0, मसाला 250 ग्रा0, रिफाइन्ड तेल 01 किग्रा0, भुना चना 02 किग्रा0, गुड 01 किग्रा0, बिस्किट 10 पै0, माचिस 01 पै0, मोमबत्ती 01 पै0, नहाने का साबुन 02 नग, 5 किलो लाई तथा 10 किग्रा0 आलू, विस्कुट, छाता दिये जाने का निर्देया दिया गया है जिससे वे अपने घरो में भोजन बनाकर खा सके। इसके साथ पशुओ के लिए 05 किग्रा0 चारा प्रतिदिन दिया जायेगा। बाढ़ राहत हेतु अन्य कार्यो को आगे बढ़ाते हुए प्राथमिकता के आधार पर और अधिक मैनपावर लगाकर युद्ध स्तर पर राहत सामग्री वितरण कराने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री उ0प्र0 योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जिन परिवारो में जन हानि हुई है उन परिवारो को रू0 4.00 लाख, अंग भंग होने पर रू0 60 हजार से रू0 2.50 लाख तक, गंभीर घायलो के सहायता हेतु प्राविधान किया गया है। जिन के भवन क्षत्रिग्रस्त हो गये है उनको मुख्यमंत्री आवास योजना के अन्तर्गत रू01.20 लाख की सहायता दी जायेगी।

किसानो की खड़ी फसल नष्ट हो गयी है जिसके लिए प्रशासन द्वारा अतिरिक्त टीम लगाकर सर्वे कराकर मुआवजा दिये जाने का निर्देश दिया गया। फसलो के क्षति पर रू0 18 हजार प्रति हेक्टेयर का मुआवजा दिया जायेगा। वार्षिक फसलो पर रू0 22.5 हजार का प्राविधान किया गया है। इसके साथ ही जनहानि होने पर भी मुआवजे का प्राविधान किया गया है। मत्स्य पालको को भी क्षतिग्रस्त होने पर मुआवजा दिया जायेगा। मुख्यमंत्री ने बाढ़ में मरने वालो के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। इस अवसर पर सांसद डुमरियागंज जगदम्बिका पाल ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया, सांसद ने कहा कि मुख्यमंत्री ने आपने जनपद सिद्धार्थनगर के लोगो को पीड़ा को समझा है तथा आज सबसे पहले सिद्धार्थनगर के लोगो से मिलकर उन्हे राहत सामग्री दी है। 2017 में मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद से ही जनता के प्रति सेवाभाव से समर्पित रहते है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के साथ सांसद डुमरियागंज जगदम्बिका पाल, विधायक कपिलवस्तु श्यामधनी राही, विधायक शोहरतगढ़ विनय वर्मा, पूर्व बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डा0 सतीश चन्द्र द्विवेदी, पूर्व विधायक डुमरियागंज राघवेन्द्र प्रताप सिंह, आयुक्त बस्ती मण्डल बस्ती गोविन्द राजू एन0एस0, डी0आई0जी0 आर0के0भारद्वाज, जिलाधिकारी संजीव रंजन तथा पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनन्द साथ में उपस्थित थे। उपरोक्त के अतिरिक्त जिलाध्यक्ष भाजपा श्री गोविन्द माधव, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि उपेन्द्र सिंह, ब्लाक प्रमुख भनवापुर प्रतिनिधि लवकुश ओझा, ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि डुमरियागंज नरेन्द्र मणि त्रिपाठी, मुख्य विकास अधिकारी जयेन्द्र कुमार, अपर जिलाधिकारी (वि0ध्रा0) उमाशंकर, तथा अन्य जनप्रतिनिधिगण, संबधित अधिकारीगण एवं बाढ़ प्रभावित व्यक्ति आदि उपस्थित थे।

विधायक विनय वर्मा ने बाढ़ ग्रस्त क्षेत्रों में खाना एंव पानी का पैकेट बांटा

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ़ के विधायक विनय वर्मा ने शोहरतगढ़ विधानसभा के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में जाकर ग्रामीणों को खाने का पैकेट एवं पानी का वितरण किया इस अवसर पर उनके साथ सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे बातचीत के दौरान विधायक विनय वर्मा ने कहा कि अपने शोहरतगढ़ विधानसभा क्षेत्र में बाढ़ग्रस्त इलाके मोहन कोली,मटियार, भूतहवा, तालकुंडा का मजरा गोनहा, भुततहिया, खैरी उर्फ झुगहवाका का अपने सहयोगियों के साथ निरीक्षण किया एवं लोगों के बीच खाना एवं पानी का पैकेट बाँटा। बाढ़ में फँसे लोगों के बीच अन्य राहत सामग्री व उनकी सुरक्षा हेतु हम और हमारी टीम लगातार प्रयासरत है। इसी क्रम में मैं अपने स्तर से तथा अपनी टीम व सहयोगियों द्वारा लेखपाल एवं तहसीलदार के साथ अलग–अलग क्षेत्रों में पूरी ताकत से हर संभव मदद पहुँचाने की कोशिश में लग गया हूँ।

ईओ से मिल,समाजसेवी ने टूटी पुलिया का कराया निर्माण

दैनिक बुद्ध का संदेश

कपिलवस्तु/सिद्धार्थनगर। नगर पंचायत क्षेत्र के मोहनाजोत

गांव को जोड़ने वाली सड़क की पुलिया क्षतिग्रस्त हो गयी थी। जिससे ग्रामीणों के आवागमन में बाधा उत्पन्न हो रही थी। जिसको लेकर ग्रामीण परेशान दिखे। समस्या की सूचना समाज सेवी राजकमल जायसवाल को मिली उन्होंने तत्परता दिखाते हुए नगर पंचायत के ईओ से बात कर समस्या समाधान कराने की पहल करते हुए। विभाग द्वारा क्षतिग्रस्त पुलिया का निर्माण करवाया। जिसमे खुद श्रमदान किया। आवागमन सुगम होने पर ग्रामीणों ने पुलिया निर्माण की सराहना की। इस दौरान राधेश्याम पांडेय,वीरेंद्र कुमार पांडेय,विनय चौधरी,अकबर अली ,उमेश जायसवाल,अवधेश कुमार,सुनील कुमार आदि मौजूद रहे।

बाढ प्रभावित ग्रामो में पशुओं को टीकाकरण एंव क्रिमिनासक औषधि वितरण

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। बाढ प्रभावित ग्रामो में दूषित चारा, पानी के

प्रयोग से पशुओं के स्वास्थ्य ठीक रखने के लिए लखनापार, बडहरा, महुआ में सुरक्षात्मक टीकाकरण व क्रिमिनासक औषधि वितरण किया गया।पशु चिकितसाधिकारी जोगिया डॉ बलराम चौरसिया ने पशु स्वास्थ्य शिविर में पशु पालक भाइयों को बताया कि दूषित पानी पीने से पशु शरीर में अन्तः परजीवियों की संख्या अधिक बढ जाती है। जिससे पशु का स्वास्थ्य प्रभावित होता है।हाजमा खराब होने के कारण पशु चारा, पानी कम करता है। पशु कमजोर हो जाते हैं परिणाम स्वरूप मिलने वाला उत्पादन भी कम हो जाता है। कमजोरी अधिक होने पर बीमारी होने की संभावना अधिक हो जाती है। इस अवसर पर 54 पशुओं की सेहद ठीक रखने के लिए स्वास्थ्यवर्धक दवा का निःशुल्क वितरण किया गया।मौके पर प्रधान इंदल,रामकेश,चीनक,धनयी,रामदास,अकाली,परसुराम,अनिल,व रीता सहित तमाम पशुपालक मौजूद रहे।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के डॉ एके त्रिपाठी ने किया आईजीएल का दौरा

गोरखपुर। आईजीएल के बिजनेस हेड एस के शुक्ल के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में गीडा औद्योगिक क्षेत्र में मियाबाकी पद्धति से पच्चीस हजार पौधों का रोपण कराया गया है और उन्ही पौधों का निरीक्षण करने हेतु केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के डॉ एके त्रिपाठी व प्रभागीय वन अधिकारी की जिला टीम और रेंज व नगर निगम की टीम के साथ परिसर पहुच कर निरीक्षण किये। प्रबंधाक प्रशासन एवं जनसंपर्क डा सुनील कुमार मिश्रा के साथ लखनऊ से आये त्रिपाठी जी ने आईजीएल परिसर में लगाए गए हजारों पौधों का न सिर्फ अवलोकन किया बल्कि मुक्त कंठ से आईजीएल द्वारा पर्यावरण के क्षेत्र में किए गए भागीरथ प्रयास की तारीफ करते हुए पूरे गोरखपुर के लिए कंपनी को पर्यावरण का रोल मॉडल बताते हुए इसे मिल का पत्थर बताया।और उन्होंने कहा की निःसन्देह बिजनेस हेड एस के शुक्ल ने इस पूर्वांचल की तस्वीर बदलने का कार्य कराया है,और बताते चलें की मुख्यमंत्री के अभियान के अंतर्गत आईजीएल कंपनी ने जिलाधिकारी गोरखपुर के नेतृत्व में परिसर में मियाबाकी पद्धति से रोपण कराये जा रहे पच्चीस हजार पौधों का शुभारंभ कराया और जिला वन अधिकारी,श्री विकास यादव एवं सीईओ गीडा श्री पवन अग्रवाल के कर कमलों से समापन करवाकर इतिहास रचा था।एक सप्ताह के अंदर पच्चीस हजार एक सौ ग्यारह पौधे लगाए गए।

आज कंपनी ने जहां परिसर में संतावन हजार पौधे पूरे तंदुरस्ती के साथ लहलहा रहे हैं वहीं बाहर उत्तर तरफ मोहन लाल भरतिया लान जो दक्षिण तरफ अटल अरण्य वन कंपनी के बाहर आम जन को सहज न केवल आकर्षित करते हैं बल्कि पर्यावरण के लिए मजबूत संतरी बन जन जीवन को ऑक्सीजन प्रदान कर गीडा ,गोरखपुर की शान बढ़ा रहे हैं। वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी आत्मा नन्द सिंह ने विस्तार से बताया की आइजीएल द्वारा गोद लिए गए दोनों विद्यालयो में 200 जी नाइन केले के पौधे और 200 हाइब्रिड पपीते के पौधे लागये गए है।इसके साथ ही डॉ सुनील कुमार मिश्रा ने बिजनेस हेड के मार्गदर्शन में इस तिमाही में कराए गए सीएसआर कार्यों के बारे में बताया और त्रिपाठी जी ने कहा कि इसे वो अपनी रिपोर्ट में लिखेंगे और आईजीएल द्वारा कराए गए कार्यो की जमकर प्रशंसा किया। प्लांट हेड एपी मिश्रा ने डॉ एके त्रिपाठी जी से कहा की हमारे कार्य की सार्थकर्ता तब है जब शासन औद्योगिक घरानों को सार्वजनिक रूप से सम्मानित करे जिससे सब मोटिवेट होकर इस तरह के जनहित कार्यो में अग्रिम भूमिका निभाए।उपरोक्त कार्यक्रम में मोनिका पांडेय, दीपक सिह, शैलेन्द्र पांडेय, और वन विभाग की मय टीम उपस्थित रही।

विश्व हिंदू परिषद मनायेगा प्रोफेसर सुरेंद्र मिश्र की पुण्यतिथि

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जिला मुख्यालय के बुद्ध विद्यापीठ डिग्री कॉलेज के प्रोफेसर सुरेंद्र मिश्र की द्वितीय पुण्यतिथि विश्व हिंदू महासंघ के जिला अध्यक्ष अखंड प्रताप सिंह द्वारा मनाया जाएगा। अखंड प्रताप सिंह ने बताया कि विश्व हिंदू महासंघ सिद्धार्थनगर के जनपद में स्थापना के काल से संरक्षक के पद पर मृत्यु तक गरिमापूर्ण दायित्व का निर्वहन करने वाले प्रो.सुरेन्द्र मिश्र की द्वितीय तिथि को 6 अक्टूबर को मनाया जाना था लेकिन घनघोर बारिश के कारण आयोजन स्थगित करना पड़ा अब विश्व हिंदू महासंघ प्रोफेसर सुरेंद्र मिश्र की द्वितीय पुण्यतिथि का आयोजन 15 अक्टूबर को गायत्री शक्तिपीठ मंदिर में करेगा जिला अध्यक्ष ने बताया कि प्रोफेसर सुरेंद्र की पुण्यतिथि पर नमन व पुष्पार्चन के लिए गायत्री महायज्ञ का आयोजन किया जाएगा साथ ही यज्ञ के पश्चात भोजन प्रसाद की व्यवस्था होगी। आगे जिलाध्यक्ष अखंड प्रताप सिंह ने बताया कि विश्व हिंदू महासंघ का प्रांतीय सम्मेलन चित्रकूट में होना है जिसके लिए भी बैठक विश्व हिंदू महासंघ , जनपद स्तर का करेगी जो 15 अक्टूबर को गायत्री शक्तिपीठ पर सुबह 9.00 बजे होगा।

30 वर्षीय महिला की मिली लाश हत्या का जताया जा रहा है आशंका

महिला की नहीं हो पाई पहचान चेहरे वा गले पर चाकू से किया गया है वार

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़। थाना क्षेत्र के अंतर्गत महनौली सिवान में 30 वर्षीय महिला की लाश मिलने से हड़कंप मच गया आज सुबह बृहस्पति वार को 7.00 बजे गांव के लोग शौच करने निकले थे कि नहर के पास 30 वर्षीय महिला की लाश देखकर घबरा उठे गांव वालों ने इसकी सूचना पुलिस को दी मौके पर शोहरतगढ़ की पुलिस पहुंचकर लाश को कब्जे में लेकर पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।महिला की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है महिला मुस्लिम समाज की है महिला का गला कटा हुआ है और चेहरे पर चाकू का निशान भी है शोहरतगढ़ थाना अध्यक्ष ने पंकज पांडे ने बताया है कि महिला की पहचान सोशल मीडिया द्वारा कराया जा रहा है महिला की पहचान होने के बाद आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है

एनएच 730 पर गाय से भिड़ी बाइक, 1 की मौत,एक घायल

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। बुधवार की रात्रि करीब सवा 8 बजे शोहरतगढ़ थानाक्षेत्र के बाणगंगा चौराहे से लगभग 50 मीटर पहले यानी डॉ अजीत पाल यादव के क्लिनिक के सामने एक भीषड़ दर्दनाक हादसा हुआ। सड़क हादसे में 2 बाइक सवार में से 1 की हुई मौके पर मौत हो गयी थी। घटना के चश्मदीदों की माने तो यह घटना गाय के चपेट में आने हुई थी। घटना स्थल पर ही मृतक अनीस रावत (अन्नी) पुत्र विजय उम्र करीब 22 वर्ष की मौत हो गयी थी। स्थानीय लोगों की मदद से एम्बुलेंस के माध्यम से चोटहिल

दूसरे साथी श्याम अग्रवाल पुत्र जितेंद्र अग्रवाल उम्र करीब 26 वर्ष निवासी आर्य समाज रोड बढ़नी, थाना ढेबरुआ जनपद सिद्धार्थनगर को इलाज के लिए शोहरतगढ़ सीएचसी ले जाया गया, जहाँ प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने बताया कि एक व्यक्ति की मौत ब्राड डेट है और दूसरा व्यक्ति चोटहिल है जो खतरे से बाहर है । सूचना मिलने पर डायल 112 सहित शोहरतगढ़ इंस्पेक्टर पंकज कुमार पाण्डेय मय पुलिस टीम हॉस्पिटल पहुँचे, चोटहिल व्यक्ति के उपचार के बाद मृतक की डेट बॉडी को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिये। बताते चले कि होण्डा साइन यू०पी०55ए०डी०5623 दुपहिया वाहन को श्याम अग्रवाल अपने साथी के साथ सर्विसिंग कराने के लिए नौगढ़ गए थे वापसी में बाणगंगा चौराहे से पूर्व घटना घट गई। जानकार बताते है कि वाहन श्याम अग्रवाल ही चला रहा था और वाहन श्याम अग्रवाल के नाम से पंजीकृत है।

सम्पादकीय

यह वार्तालाप अलग–बगल खड़े कई मंत्री सुन रहे थे। उनमें से एक ने कहा– श्भगवन! प्रधानमंत्री जी को यह आप क्या सलाह दे रहे हैं ?श मुख्यमंत्री मुलायम पहले दिन ही हमें अंदर कर देंगे। उन्होंने शंकराचार्य को पकड़ लिया, वह हमें क्यों बख्शेंगे ?श मैंने कहा,– श्यह जरुरी नहीं। यह भी संभव है कि अटलजी लखनऊ में ...

मुलायमजी और अटलजी

मुलायमसिंहजी और अटलजी से मेरा 55–60 साल पुराना संबंध रहा है। मेरे पिताजी श्री जगदीशप्रसाद वैदिक अटलजी से भी ज्यादा घनघोर जनसंघी थे। जनसंघ और संघ के सारे अधिकारी इंदौर में मेरे घर को अपना ठिकाना ही समझते थे। लेकिन 1962 में इंदौर के छात्र नेता के तौर पर मैंने डॉ. राममनोहर लोहिया को अपने इंदौर क्रिश्चियन कॉलेज में भाषण के लिए बुलवा लिया। उनके भाषण का प्रभाव मुझ पर इतना गहरा हुआ कि मैं उनके अंग्रेजी हटाओ आंदोलन से जुड़ गया। मैं किसी राजनीतिक दल का कभी सदस्य नहीं बना लेकिन हिंदी आंदोलन में 12 साल की उम्र में ही पहली बार गिरफ्तार हुआ। उधर उप्र में मुलायमसिंह 15–16 की उम्र में गिरफ्तार हुए। जब हम मिले तो दोनों का संबंध अत्यंत घनिष्ट हो गया। अब से लगभग 20 साल पहले 28 फरवरी 2002 की बात है7 दिल्ली का हैदराबाद हाउस, जहां प्रधानमंत्री की दावतें होती हैं। अफगानिस्तान के राष्ट्रपति हामिद करजई के सम्मान में दावत थी। करजई के पिता अहद साहब काबुल में मेरे मित्र बन गए थे। जैसे ही अतिथिगण भोज–कक्ष में घुसे, प्रधानमंत्री से आमना–सामना हुआ। मैंने पूछा श्करजईय को हमने क्या–क्या दिया? वे बोले श्ये बात तो बाद में हो जाएगी, पहले यह बताइए कि लखनऊ में क्या किया जाए?य उन दिनों यह असमंजस बना हुआ था कि उत्तरप्रदेश में मुख्यमंत्री किसे बनाया जाए? मैंने कहा श्मुलायम सिंहजी को ।य अटलजी ने कहा– श्ठीक है, पहले प्रेम से भोजन कीजिए और फिर बताइए ।य भोजन के बाद सभी अतिथि विदा होने के लिए द्वार के पास नीचे जमा हो गये। प्रधानमंत्री अटलजी ने फिर पूछा श्तो क्या सोचा आपने?य मैंने कहा– ष्तर्क वही है, जो आपके लिए दिया गया था। सबसे बड़ी पार्टी के नेता को राष्ट्रपति ने बुला लिया, प्रधानमंत्री की शपथ के लिए। लखनऊ में मुलायमसिंह की समाजवादी पार्टी भी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। मुख्यमंत्री भी उन्हें ही बनाया जाना चाहिए।ष इतने में पूर्व प्रधानमंत्री इंद्र गुजराल हम दोनों के एक दम निकट आ गए। अटल जी ने गुजराल साहब से पूछा– श्आपकी क्या राय है?य उन्होंने कहा– श्वैदिकजी जो कह रहे हैं, वह बिल्कुल सही है ।य अटलजी ने तपाक से कहा– श्सही हो सकता है लेकिन आप दोनों मुलायमसिंह का समर्थन इसलिए कर रहे हैं कि वे आप दोनों के दोस्त हैं ।य इस चुटकी पर सब हंस दिए। यह वार्तालाप अलग–बगल खड़े कई मंत्री सुन रहे थे। उनमें से एक ने कहा– श्भगवन! प्रधानमंत्री जी को यह आप क्या सलाह दे रहे हैं?य मुख्यमंत्री मुलायम पहले दिन ही हमें अंदर कर देंगे। उन्होंने शंकराचार्य को पकड़ लिया, वह हमें क्यों बख्शेंगे?य मैंने कहा,– श्यह जरुरी नहीं। यह भी संभव है कि अटलजी लखनऊ में मुलायमसिंह के गठबंधन को चलने दें और मुलायमसिंहजी दिल्ली में अटलजी के गठबंधन को चलने दें ।य अगर उसी समय यह बात मान ली जाती तो संवैधानिक परंपरा की रक्षा तो होती ही, डेढ़ साल तक भाजपा को बहुजन समाज पार्टी के कचरे को अपने कंधे पर नहीं ढोना पड़ता।

आयोग के पक्षपात के बावजूद उद्धव संतुष्ट!

शिव सेना के उद्धव ठाकरे गुट ने चुनाव आयोग पर पक्षपात का आरोप लगाया है। शिव सेना के लिए अदालत में पैरवी कर रहे जाने माने वकील कपिल सिब्बल ने भी सवाल उठाया कि शिव सेना नाम और धनुष बाण चुनाव चिन्ह दशकों से ठाकरे परिवार के नेतृत्व वाली पार्टी के पास है और एकनाथ शिंदे का गुट पार्टी छोड़ कर अलग हो चुका है फिर कैसे आयोग उस नाम और चुनाव चिन्ह को जब्त कर सकता है। लेकिन आयोग के पास यह आसान रास्ता होता है और संतुलन बनाने के लिए लगभग हर बार ऐसा ही किया जाता है। जब भी पार्टियां टूटती हैं तो चुनाव चिन्ह जब्त हो जाता है। चुनाव आयोग का पक्षपात इतने पर ही खत्म नहीं हुआ है कि उसने शिव सेना का नाम और चुनाव चिन्ह जब्त कर लिया। बाद में जब दोनों गुटों ने नाम और चुनाव चिन्ह के लिए आवेदन किया तो उसमें भी पूर्वाग्रह दिखा। उद्धव ठाकरे गुट ने श्शिव सेना बाला साहेब ठाकरेय नाम को प्राथमिकता दी थी। उनकी दूसरी पसंद श्शिव सेना उद्धव बाला साहेब ठाकरेय थी। चुनाव आयोग ने ठाकरे गुट को उनकी प्राथमिकता वाला नाम नहीं दिया, बल्कि दूसरी पसंद वाला नाम दिया। पिछले दिनों बिहार में लोक जनशक्ति पार्टी में विभाजन हुआ तो चुनाव आयोग ने चिराग पासवान को उनकी पसंद का पहला नाम श्लोक जनशक्ति पार्टी रामविलासय दे दिया था। इस आधार पर ठाकरे गुट को भी बाला साहेब ठाकरे का नाम दे देना चाहिए था।

लेकिन चुनाव आयोग ने उद्धव ठाकरे को वह नाम नहीं दिया। उनको अपने नाम यानी उद्धव बाला साहेब ठाकरे वाला नाम दिया गया, जबकि उनके पिता यानी बाला साहेब ठाकरे का नाम एकनाथ शिंदे को दे दिया गया। शिंदे ने श्बालासाहेबांची शिव सेनाय यानी बाला साहेब की शिव सेना नाम मांगा था और चुनाव आयोग ने वह नाम दे दिया। इसके बावजूद उद्धव ठाकरे गुट संतुष्ट है क्योंकि उनकी पार्टी के नाम में बाला साहेब ठाकरे का नाम भी है और चुनाव चिन्ह भी श्मशालय का मिल गया है। ध्यान रहे शिव सेना ने विधानसभा की पहली सीट श्मशालय छाप ही जीती थी। यह बात 1985 की है, जब शिव सेना को प्रदेश स्तरीय पार्टी का दर्जा नहीं मिला था। तब उसका हर उम्मीदवार अलग अलग चुनाव चिन्ह से लड़ता था। उस चुनाव में मझगांव सीट से शिव सेना के उम्मीदवार छगन भुजबल ने मशाल छाप पर चुनाव लड़ा था और वे जीते थे। वे उस विधानसभा में शिव सेना के इकलौते विधायक थे। तब मनोहर जोशी भी चुनाव लड़े थे लेकिन हार गए थे। बाद में वे राज्य में शिव सेना के पहले मुख्यमंत्री बने। उस समय पार्टी रेल के इंजन से लेकर गेंद व बल्ले के चुनाव चिन्ह पर लड़ती थी। अब पार्टी इसे संयोग मान रही है कि उसे वह चुनाव चिन्ह मिल गया है, जिससे उसका खाता खुला था।

आप पार्टी से होगी आठ राज्यों में भाजपा आंधी?

सवाल है कि क्या इस बार भी कांग्रेस के साथ सीधे मुकाबले वाले प्रदेशों में भाजपा उतनी ही आसानी से जीत जाएगी जितनी आसानी से दो बार से जीत रही है ? मगर यह ध्यान रहे कि जिन आठ राज्यों में कांग्रेस के साथ भाजपा का सीधा मुकाबला है उनमें से पांच राज्यों में भाजपा की सरकार है। मध्य प्रदेश, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में भाजपा की सरकार है। मध्य प्रदेश में बीच के ...

हरिशंकर व्यास

पिछले दो चुनाव में भाजपा ने कुछ राज्यों में लगभग सभी सीटें जीती हैं। राजस्थान और गुजरात जैसे दो बड़े राज्यों में भाजपा ने 2014 और 2019 में सभी सीटें जीतीं। मध्य प्रदेश और झारखंड में भी भाजपा ने लगभग सभी सीटें जीतीं। इनके अलावा दिल्ली, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड की सभी सीटें भाजपा ने जीतीं। छत्तीसगढ़ और हरियाणा में भी दोनों चुनावों में भाजपा ने लगभग सभी सीटें जीतीं। देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में भाजपा ने पहले चुनाव में 70 और दूसरे चुनाव में 62 सीटें जीतीं। महाराष्ट्र में दोनों लोकसभा चुनाव भाजपा ने शिव सेना के साथ मिल कर लड़े थे और दोनों चुनावों में बड़ी जीत हासिल की थी। बिहार में एक बार अकेले और दूसरी बार जनता दल यू के साथ लड़ कर भाजपा ने बड़ी जीत हासिल की थी।

इन राज्यों में से राजस्थान, मध्य प्रदेश, गुजरात, छत्तीसगढ़, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली, उत्तराखंड और झारखंड की 131 में से 125 सीटें भाजपा के पास हैं। सोचें, इन नौ राज्यों की 95 फीसदी सीटें भाजपा ने जीती हैं और लगातार दो चुनावों से भाजपा इसी अनुपात में इन राज्यों में जीती है। उत्तर प्रदेश की 80 में से 64 सीटें भाजपा और उसकी सहयोगी अपना दल के पास हैं। भाजपा की इन 10 राज्यों की 303 में 189 सीटें हैं। उत्तर प्रदेश की छोटी सहयोगी पार्टी को छोड़ दें तो बाकी नौ राज्यों में भाजपा अकेले

लड़ती है। दिल्ली को छोड़ कर बाकी आठ राज्यों में उसका सीधा मुकाबला कांग्रेस से होता है। जहां भाजपा का कांग्रेस से सीधा मुकाबला होता है वहा भाजपा को सबसे आसानी होती है। ध्यान रहे जहां भी कांग्रेस से सीधा मुकाबला है वहां भाजपा की जीत का प्रतिशत 90 या उससे ऊपर है। इसकी तुलना में प्रादेशिक पार्टियों ▪के साथ लड़ाई में भाजपा पिछड़ जाती है। वहां उसकी जीत का प्रतिशत कम होता है।

सवाल है कि क्या इस बार भी कांग्रेस के साथ सीधे मुकाबले वाले प्रदेशों में भाजपा उतनी ही आसानी से जीत जाएगी जितनी आसानी से दो बार से जीत रही है? मगर यह ध्यान रहे कि जिन आठ राज्यों में कांग्रेस के साथ भाजपा का सीधा मुकाबला है उनमें से पांच राज्यों में भाजपा की सरकार है। मध्य प्रदेश, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में भाजपा की सरकार है। मध्य प्रदेश में बीच के कांग्रेस के डेढ़ साल के राज को अलग करें तो वहां 2003 से भाजपा की सरकार है। हिमाचल को छोड़ कर बाकी तीन राज्यों में भाजपा की लगातार दूसरी बार सरकार बनी है। इसलिए केंद्र सरकार, राज्य सरकार और सांसदों की तिहरी एंटी इन्कंबैंसी होगी। ऐसे में भाजपा के लिए मुकाबला आसान होने का सिर्फ एक कारण दिख रहा है और वह है आम आदमी पार्टी। अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी सिर्फ उन्हीं राज्यों में राजनीति कर रही है, जहां कांग्रेस मजबूत है। उन राज्यों में वह भाजपा विरोधी वोट काटेगी। यानी दोहरी या तिहरी एंटी इन्कंबैंसी, जहां भी है वहां सत्ता विरोधी वोट का बंटवारा आम आदमी पार्टी कर देगी, जिसका सीधा फायदा भाजपा को होगा। भाजपा भी मुख्यमंत्री बदल कर एंटी इन्कंबैंसी कम कर रही है और चुनाव में उम्मीदवार भी बदले जाएंगे।

अखिलेश और शिवपाल के बीच की दूरी खत्म करवाएंगे लालू और नीतीश कुमार

यदि महागठबंधन की बात आती है तो चाचा भतीजा साथ आकर चुनाव लड़ लें तो कोई बड़ा आश्चर्य नहीं होगा। लालू यादव इस समय इलाज के लिए विदेश गए हुए हैं। विदेश से लौट के आने के बाद वह भी इस कोशिश में लग सकते हैं कि चाचा भतीजे एक हो जाएं। दिल्ली की सत्ता से मोदी को उखाड़ फेंकने के लिए चाचा भतीजे का साथ आना बहुत जरूरी माना जा रहा है...

।पिसमीं पिअचंस ।छ

अजय कुमार । ब्ज 13, 2022 3रू58च्ड

शिवपाल अपने भतीजे के खिलाफ कितना भी विरोध में बोलते हों। अपनी अलग पार्टी भी बना ली, लेकिन जिस तरह से पिछले यूपी विधानसभा में दोनों साथ आए, उसके बाद इस संभावना से भी इंकार नहीं किया जा सकता कि वे फिर लोकसभा चुनाव में एक बैनर के तले आ जाएं। समाजवादी पार्टी के भीष्म पितामह मुलायम सिंह यादव के निधन के बाद उनके शुभचिंतकों को समाजवादी पार्टी के अस्तित्व को लेकर चिंता सताने लगी है। कहीं पार्टी में स्थितियां बेहद खराब ना हो जाएं इसको लेकर सबसे ज्यादा परेशान मुलायम सिंह यादव के समधी और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव नजर आ रहे हैं। उनको समाजवादी पार्टी की असलियत पता है। वह जानते हैं कि अखिलेश के लिए तब तक राह आसान नहीं जब तक उनके सिर पर किसी अनुभवी व्यक्ति का हाथ नहीं होगा। कहने को तो अखिलेश के साथ उनके चाचा प्रोफेसर रामगोपाल यादव खड़े हुए हैं लेकिन राजनीति के जानकार कहते हैं प्रोफेसर साहब के पास ऐसी राजनैतिक काबिलियत नहीं है जिसके बल पर कार्यकर्ताओं और संगठन को मजबूती प्रदान कर सकें। अनुभव के मामले में मुलायम सिंह के कुनबे में शिवपाल यादव की बराबरी कोई नहीं कर सकता है। शिवपाल ने कई चुनाव समाजवादी पार्टी को जिताए हैं। नेताजी की मृत्यु के बाद अखिलेश यादव और उनके चाचा शिवपाल सिंह यादव के बीच कैसे संबंध रहेंगे। इस बात को लेकर राजनीतिक हलकों में काफी चर्चा है। दोनों अगर एक नहीं हुए तो संभावना इस बात की भी है मुलायम की राजनीतिक विरासत को लेकर चाचा भतीजे के बीच तलवारें खिंच जाएं। बहरहाल, इस चर्चा ने तब और जोर पकड़ा जब बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार श्नेताजीश को श्रद्धांजलि देने सैफई पहुंचे। यहां उन्होंने अखिलेश यादव और महागठबंधन से जुड़ी बात पर अपनी राय रखी। लेकिन सवाल यह उठता है कि क्या अब नीतीश कुमार महागठबंधन को यूपी में ताकतवर बनाने के लिए अखिलेश और उनके चाचा शिवपाल यादव को एक मंच पर ला पाएंगे ? अगर वे और लालू यादव कोशिश करेंगे तो क्या दोनों चाचा भतीजे अपने अहम को पीछे छोड़कर साथ आ सकेंगे?श चाचा भतीजे के अलग राह पकड़ने से दोनों को ही नुकसान हुआ है। हालात ऐसे बन रहे हैं कि साथ आने में ही दोनों की भलाई है। नीतीश कुमार और लालू यादव मदद करेंगे तो इसमें सफलता भी मिल सकती है। मुलायम सिंह यादव के निधन के बाद बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जब सैफई पहुंचे तो उन्होंने समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव से अलग से मुलाकात की और वे काफी देर तक सपा प्रमुख के साथ बातचीत करते हुए भी नजर आए। इसके बाद बिहार के सीएम जब बाहर निकले तो उन्होंने मीडिया से भी बातचीत की। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से शिवपाल सिंह यादव और अखिलेश यादव को एक साथ लाने पर सवाल किया गया। तब मुख्यमंत्री ने कहा, ष्ये बिलकुल अलग चीज है। अखिलेश यादव मुख्यमंत्री रहे हैं। उन्हें हमें प्रमोट करने की जरूरत है।ष दरअसल, नीतीश कुमार का ये बयान ऐसे वक्त में आया है, जब माना जा रहा है कि अखिलेश यादव और शिवपाल सिंह यादव की राहें अलग–अलग हो चुकी हैं। दरअसल, बिहार के सीएम नीतीश कुमार पिछले दिनों बीजेपी से अलग होकर आरजेडी के साथ मिलकर सरकार बना चुके हैं। वे अब पूरी तरह इस बात पर फोकस कर रहे हैं कि महागठबंधन एकजुट हो और मजबूती के साथ बीजेपी का सामना करे। ऐसे में यूपी सबसे अहम हो जाता है, जहां सबसे ज्यादा लोकसभा सीटें हैं। अब यहां समाजवादी पार्टी को एकजुट करना नीतीश के लिए सबसे बड़ी परीक्षा हो सकती है। वे समाजवादी पार्टी को एकजुट करके चुनाव में एकजुटता के साथ भाजपा को टक्कर देना चाहते हैं। ऐसे में चाचा शिवपाल यादव जो अखिलेश से अलग होकर अपनी खुद की पार्टी श्प्रसपाश बना चुके हैं। उन्हें और अखिलेश को चुनाव में एक साथ लाने के लिए नीतीश कुमार कोशिश कर सकते हैं। भले ही शिवपाल अपने भतीजे के खिलाफ कितना भी विरोध में बोलते हों। अपनी अलग पार्टी भी बना ली, लेकिन जिस तरह से पिछले यूपी विधानसभा में दोनों साथ आए, उसके बाद इस संभावना से भी इंकार नहीं किया जा सकता कि वे फिर लोकसभा चुनाव में एक बैनर के तले आ जाएं। नेताजी के ना रहने के बाद उनके परिवार के सदस्यों को याद दिलाया जा रहा है कि मुलायम ने अपने जीते जी यादव कुनबे में कभी भी श्मनभेदश नहीं होने दिया। इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि भले ही मुलायम सिंह यादव की छोटी बहू अपर्णा यादव सपा छोड़कर भाजपा में चली गई हों। लेकिन उन्होंने श्नेताजीश के पांव छूकर पहले आशीर्वाद लिया था। वहीं अखिलेश यादव ने भी अपर्णा यादव के भाजपा में जाने पर कोई कटाक्ष की बात नहीं कही। अखिलेश यादव और चाचा शिवपाल सिंह यादव ने भी भले ही एकदूसरे पर राजनीतिक हमला बोला हो, लेकिन हमेशा इतनी गुंजाइश रखी कि कभी भी दोनों फिर एक साथ चुनाव लड़ सकते हैं। यह पिछले यूपी विधानसभा चुनाव में सभी ने देखा। मुलायम सिंह यादव के निधन पर भी दोनों ही नेता साथ दिखे हैं। अखिलेश से अलग यदि बात चाचा शिवपाल सिंह की जाए तो उन्हें ये मालूम है कि वे कभी भी अकेले दम पर चुनाव जीतकर सत्ता नहीं पा सकते हैं। भले ही अपना अहम संतुष्ट करने के लिए उन्होंने अलग राजनीतिक पार्टी बना ली। मगर ये सच है कि मुलायम सिंह के कहने पर वे साथ में चुनाव लड़े। लेकिन अब श्नेताजीश नहीं हैं ऐसे में सक्रिय राजनीति में होने के चलते वे खुद अब नहीं चाहेंगे कि अपने विरोधों से इतना दूर चले जाएं कि वे कभी सपा के साथ ही न आ पाएं। वहीं अखिलेश भी नहीं चाहेंगे कि पिताजी के जाने के बाद अब चाचा के खिलाफ ज्यादा राजनीतिक निशाने साधें। क्योंकि पिता मुलायम सिंह का साया अखिलेश के ऊपर से उठ गया है। यदि महागठबंधन की बात आती है तो श्चाचा भतीजाश साथ आकर चुनाव लड़ लें तो कोई बड़ा आश्चर्य नहीं होगा। लालू यादव इस समय इलाज के लिए विदेश गए हुए हैं। विदेश से लौट के आने के बाद वह भी इस कोशिश में लग सकते हैं कि चाचा भतीजे एक हो जाएं। दिल्ली की सत्ता से मोदी को उखाड़ फेंकने के लिए चाचा भतीजे का साथ आना बहुत जरूरी माना जा रहा है।

सीडीओ की अध्यक्षता में हुई कम्बाइन हार्वेस्टर संचालकों की बैठक

सीतापुर।मुख्य विकास अधिकारी अक्षत वर्मा द्वारा जनपद के कम्बाइन हार्वेस्टर संचालकों के साथ कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक की गयी। बैठक में सभी कम्बाइन हार्वेस्टर संचालकों को निर्देशित किया गया कि कटाई के समय सभी संचालक अनिवार्य रूप से सुपर स्ट्रा मैनेजमेन्ट सिस्टम (एस0एम0एस0) प्रयोग करें, जिससे पराली जलाने की घटनाओं को रोका जा सके। पराली जलाने की घटनाओं को रोकने हेतु कृशि तथा राजस्व विभाग की संयुक्त टीमों का गठन किया गया है। बिना स्ट्रा मैनेजमेन्ट सिस्टम (एसएमएस) के कम्बाइन हार्वेस्टर का संचालन पाये जाने पर मशीन को सीज कर सम्बन्धित के खिलाफ नियमानुसार वैधानिक कार्यवाही भी सुनिश्चित की जायेगी। उन्होंने बताया कि पराली जलाने से पर्यावरण को नुकसान होने के साथ ही कृषकों की बहुमूल्य मृदा की उत्पादक क्षमता भी घट जाती है। वैज्ञानिकों द्वारा फसल अवषेश को उपयोगी बनाने के दृष्टिगत वेस्ट डी–कम्पोजर का अविश्कार किया गया है। जिसके उपयोग से फसल अवषेशों को 15 से 30 दिन की अवधि में सड़ाकर मृदा को उपजाऊ बनाये जाने के साथ ही फसल अवषेशों का कुषल प्रबन्धन किया जा सकता है। उप कृषि निदेषक द्वारा अवगत कराया गया कि जनपद में शीर्घ्र ही वेस्ट डी–कम्पोजर की आपूर्ति समस्त राजकीय कृषि बीज भण्डारों पर करायी जा रही है। जिसे किसान भाईयों द्वारा निःशुल्क प्राप्त कर फसल अवशेष प्रबन्धन किया जा सकता है। साथ ही जनपद के समस्त विकास खण्डों में स्थापित फार्म मशीनरी बैंकों से पराली प्रबन्धन के यंत्रों को किराये पर लेकर फसल अवषेश प्रबन्धन किया जा सकता है। जिला कृषि अधिकारी द्वारा बताया गया कि सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों के क्रम में पराली जलाये जाने पर पूर्णतया रोक लगाते हुये जुर्माने का निम्नानुसार प्राविधान भी किया गया है। 2 एकड़ से कम भूमि वाले किसानों से 2500 रूपये का जुर्माना प्रति घटना, 2 से 5 एकड़ भूमि वाले किसानों से 5000 रूपये का जुर्माना प्रति घटना, 5 एकड़ से अधिक भूमि वाले किसानों से 15000 रूपये का जुर्माना प्रति घटना लगाया जा सकता है। बैठक में कम्बाईन हावेस्टर संचालकों के साथ ही कृषि विभाग के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

स्वच्छ भारत है एक बड़ा अभियान, सब मिलके करें अपना योगदान

इस दीपावली स्वच्छता का दीप जलायें, चारो ओर उजियारा फैलायें

मानपुर (सीतापुर)।कृषि विज्ञान केन्द्र कटिया सीतापुर द्वारा स्वच्छता अभियान २.० अन्तर्गत समस्त जनसाधारण में विभिन्न प्रसार माध्यमों से जागरूकता का संचार किया जा रहा है। इस क्रम में केन्द्र प्रक्षेत्र पर एक गोष्ठी का अयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्वच्छता के प्रति जानकारी देते हुए केन्द्र के प्रसार वैज्ञानिक शैलैंद्र कुमार सिंह ने बताया कि स्वच्छ भारत अभियान का उद्देश्य गांव– गली खेत –खलिहान, कस्बा– शहर प्रत्येक स्थान पर स्वच्छता एवं स्वच्छ सुविधाओं का निर्माण करना है। ग्रामीण क्षेत्रों में खुले में शौच स्वच्छ भारत अभियान का अभिन्न उद्देश्य है। साथ ही साथ जन–जागरुकता पैदा करने के लिये सार्वजनिक स्थानों पर साफ–सफाई के कार्यक्रम से लोगों को अधिक से अधिक संख्या में जोड़ना है। केन्द्र के प्रक्षेत्र प्रबंधक डा. योगेन्द्र प्रताप सिंह ने कृषक प्रक्षेत्र से निकलने वाले फसल अवेशष के प्रबंधन पर जानकारी देते हुए बताया कि फसल अवशेष अनेक प्रकार फसल अवद्यकों द्वारा आसानी से गला सड़ाकर तथा नाडेप गढ्ढा द्वारा कम्पोस्ट में बदलकर उपयोग में लाने से स्वच्छता के साथ मृदा के स्वास्थ्य को भी सुधारा जा सकता हैं। मानव स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करते हुए बताया कि अस्वच्छता का खराब स्वास्थ्य से गहरा रिश्ता हैं, स्वच्छता की कमी से लोगों में तरह तरह के रोग होने लगते हैं। मृदा वैज्ञानिक एवं स्वच्छता कार्यक्रम प्रभारी सचिन प्रताप तोमर ने बताया कि स्वच्छता के प्रति ग्रामीण कृषकों, महिला कृषकों को प्रशिक्षण गोष्ठी के द्वारा जागरूक किया जा रहा हैं। मानव स्वास्थ्य का स्वच्छता से गहरा नाता हैं क्योकि गदें स्थान पर रोग बीमारी फैलाने वाले अनेकों प्रकार के कीडें मकोड़े पनपते हैं। हमें रोगजनक कारकों का समूल नाश करना होगा। साथ ही स्वच्छता अभियान में सभी को अपना योगदान देना होगा। तब ही हम अपने आसपास स्वच्छता का वातावरण बना पायेगें। कार्यक्रम में ग्राम कटिया, पड़रिया, मरसण्डा, ओरीपुर, समसापुर, घूरीपुर, हैबतपुर के कुल 27 कृषकों ने प्रतिभागिता की।

निःशुल्क प्रशिक्षण एवं सड़क सुरक्षा अभियान व

जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक सम्पन्न

प्रमुख सचिव परिवहन की अध्यक्षता में हुई बैठक

सीतापुर।प्रमुख सचिव परिवहन विभाग उ0प्र0 शासन एल वेंकटेश्वर लू की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के अन्तर्गत प्रतियोगी परीक्षाओं जैसे सिविल सेवा परीक्षा, पी0सी0एस0, जे0ई0ई0, नीट, एन0डी0ए0, सी0डी0ए0 इत्यादि हेतु प्रतिभाशाली तथा उत्साही विद्यार्थियों को जनपद स्तर पर परीक्षा पूर्व तैयारी हेतु निःशुल्क प्रशिक्षण एवं सड़क सुरक्षा अभियान जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक सम्पन्न हुयी। बैठक के दौरान उन्होंने अभ्युदय योजना के तहत किये गये रजिस्ट्रेशन की जानकारी ली तथा निर्देश दिये कि जो भी कोचिंग कक्षाएं अभ्युदय योजना के तहत चलायी जा रही है। जिसके तहत विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा प्रदान की जायें। इसके लिये कुशल शिक्षक का होना अति आवश्यक है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को जब अच्छी शिक्षा प्रदान की जायेगी तो विद्यार्थी परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन करके एक उच्च पद पर अपना योगदान दे सकेगा। अभ्युदय योजना का अधिक से अधिक व्यापक स्तर पर प्रचार–प्रसार किया जाये। जिससे गरीब, असहाय एवं होनहार विद्यार्थी बाहर निकलकर आयें और अभ्युदय कोंचिग के माध्यम से अपने जीवन को उज्ज्वल बनाने के लिये आगे बढ़ें। उन्होंने कहा कि कोंचिग में विद्यार्थियों की महीनेंवार परीक्षा लेते रहें, जिससे उनको परीक्षा के दौरान कोई परेशानी न हो और वह एक अच्छा परीक्षाफल लाने के योग्य बने। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को सपना है कि इस योजना से सभी पात्रों को लाभ मिलें और सभी विद्यार्थी इसके माध्यम से आगे बढ़ें। जब युवा आगे बढ़ेगा तभी हमारा समाज आगे की ओर अग्रसर होगा। उन्होंने कहा कि जिनके अभिभावक चाहते हैं कि हमारा बच्चा आगे बढ़े, उसको आगे बढ़ाने का कार्य मुख्यमंत्री निरन्तर कर रहे हैं। विद्यार्थियों को अच्छे मार्गदर्शन की आवश्यकता है, अच्छे मार्गदर्शन से ही अपने जीवन को उज्ज्वल बनाने के साथ ही वह समाज के लिये भी कुछ अच्छा करेंगे। उन्होंने निर्देश दिये कि जितने भी डिग्री कालेज व इण्टर कालेज है वहां पर सेंटर की स्थापना की जाये। क्योंकि जो भी होनहार बच्चे हैं वह समय से अपनी तैयारियां कर सकें और परीक्षा में अच्छा प्रदर्शन कर सकें। सड़क सुरक्षा अभियान जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक के दौरान उन्होंने इस वर्ष की गयी कार्यवाहियों की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिये कि सभी ब्लैकस्पाट चिन्हित किये जायें तथा ब्लैकस्पाटों पर बोर्ड लगवाये जायें। उन्होंने दुर्घटना को रोकने के लिये आवश्यक कार्यवाहियां की जाये। जिससे ज्यादा दुर्घटनाओं के केसों से बचा जा सके। उन्होंने संबंधित अधिकारी को निर्देश दिये कि दुर्घटनाओं को रोकने के लिये विशेष जागरूकता अभियान चलाया जाये तथा लोगों को दुर्घटनाओं से बचने के लिये सावधानियों के बारे में जानकारी दी जाये। उन्होंने अधिशासी अभियन्ता लोक निर्माण विभाग को निर्देश दिये कि जहां पर तीव्र मोड़ है वहां पर सांकेतिक चिन्ह लगवाये जाने के साथ ही अवैध कट बन्द किये जायें। उन्होंने कहा कि जो भी अवैध कट बन्द किये जाये, उसके बारे में आस–पास के लोगों को बताया जाये कि कट क्यों बन्द किये जा रहे हैं, यदि कोई कट खोलता हुआ पाया जाये तो उसके विरूद्ध कार्यवाही की जाये। उन्होंने कहा कि बरसात के दौरान जो जेब्रा क्रासिंग खराब हो गयी है उसको ठीक करा दिया जाये तथा सभी सड़कें गढ्डामुक्त की जायें। गढ्डामुक्त सड़कों में जलभराव हो जाता है जिससे दुर्घटना होने की सम्भावना बनी रहती है। बैठक के दौरान मुख्य विकास अधिकारी अक्षत वर्मा, अपर जिलाधिकारी न्यायिक हरिशंकर लाल शुक्ला, अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी एन0पी0 सिंह, नगर मजिस्ट्रेट अमृता सिंह, पुलिस क्षेत्राधिकारी सुशील कुमार सिंह, ए0आर0टी0ओ0 प्रशासन माला बाजपेयी, ए0आर0टी0ओ0 प्रवर्तन डा0 उदित नारायण पाण्डेय, जिला समाज कल्याण अधिकारी हर्ष मवार, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अजीत कुमार, जिला पूर्ति अधिकारी संजय कुमार प्रसाद सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी के लटकता मिला युवक का शव

रेउसा (सीतापुर)(आरएनएस)। थाना क्षेत्र में फांसी के फंदे लटकने से एक किशोर की मौत हो गई। वहीं मृतक के परिजनों ने अपने बेटे की हत्या का आरोप लगा रहे हैं। पुलिस ने शव का पंचायत नामा भरकर पीएम के लिए भेज दिया है। रेउसा थाना क्षेत्र के रत्ती पुरवा मजरा जमौली गांव का निवासी अजय (15) पुत्र रामपाल सुबह अपने घर से खेत को चारा लेने गया था। करीब दो घण्टे तक वह नहीं लौटा। परिजनों ने तलाश की तभी खेत को शौच के लिए गई महिलाओं ने घर से करीब सौ मीटर की दूरी पर खुरवलिया गांव के निवासी नरेश सिंह के गन्ने के खेत में पापुलर के पेड़ से अजय के शव को फांसी के फंदे से लटकता हो देखा। इसकी सूचना परिजनों को दी। परिजनों ने मौके पर पहुंचकर शव को फंदे से नीचे उतारा और पुलिस को सूचना दी। सूचना पाकर थानाध्यक्ष रेउसा मुकुल प्रकाश वर्मा फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने घटनास्थल का जायजा लिया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज कर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। मृतक के परिजनों ने नरेश सिंह के खिलाफ हत्या का आरोप लगाते हुए थाने में तहरीर दी है। थानाध्यक्ष मुकुल प्रकाश वर्मा से बात की गई तो उन्होंने बताया कि शव पीएम के लिए भेज दिया गया है। उन्होंने बताया कि अभी तक कोई हत्या के आरोप संबंधी तहरीर उन्हें नहीं मिली है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

भारतीय नौसेना ने भी मर्चेंट नेवी में अग्निवीरों के लिए रोजगार के अवसर देने की घोषणा

हरदोई। कस्बे के विजय शंकर इंटर कॉलेज में लखनऊ से आए आर्मी ऑफिसरो ने पहुंचकर छात्र छात्राओं को अग्निवीर भर्ती प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी है। लखनऊ से आए नौवीं कुमाऊं रेजीमेंट के नायब सूबेदार आनंद खापी ने छात्र छात्राओं को जागरूक करते हुए कहा कि अग्निवीर भर्ती होने के लिए अग्निवीरों को चौथे वर्ष के बाद कुल 23लाख 43हजार160 रुपए दिए जाएंगे। सिविल नौकरियों में मदद करने के लिए अग्निवीरों को सेवा रहते हुए प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा। राज्य पुलिस में भर्ती के लिए अग्निवीरों को प्राथमिकता दी जाएगी। भारतीय नौसेना ने भी मर्चेंट नेवी में अग्निवीरों के लिए रोजगार के अवसर देने की घोषणा की है।रक्षा मंत्रालय ने अपने 10: पदों पर अग्निवीरों को भर्ती करने की घोषणा की है।10: आरक्षण भारतीय तटरक्षक और रक्षा पदों और सभी रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में लागू किया जाएगा। बैंक बीमा कंपनी और वित्त संस्थान उचित ऋण देकर अग्निवीरों की सहायता करेगी। राशन ड्रेस यात्रा जोखिम और कठिनाई भत्ता जैसा लागू हो उसके अनुसार दिया जाएगा। 4 साल के बाद 25: अगले 15 साल के लिए स्थाई होंगे। यह पेंशन और सेवा नियुक्ति के बाद के लाभ के लिए हकदार होंगे। इस मौके पर विद्यालय के प्रधानाचार्य अरुण सिंह, अजय पाठक, रामकरन त्यागी, भूतपूर्व लेफ्टिनेंट कर्नल राजेश्वर सिंह सूबेदार मेजर अशोक कुमार अग्निहोत्री दीपक तिवारी मौजूद रहे।

फर्जी अस्पतालों में गर्भपात व अल्ट्रासाउंड सेंटरों भ्रूण जांच की आशंका

हरदोई।(आरएनएस) कस्बे व देहात क्षेत्रों में इन दिनों क्लीनिक , नर्सिंग होम व अस्पतालों की भरमार आ गई है । जबकि इन फर्जी नर्सिंग होम व अस्पतालों में आए दिन किसी न किसी की मौत हो जाती है । जब कि इन फर्जी अस्पतालों में गर्भपात व अल्ट्रासाउंड सेंटरों पर भ्रूण की जांच को लेकर कोई संदेह से परहेज नहीं किया जा सकता है । स्वास्थ्य विभाग के कहीं न कहीं रहमों करम पर इन संचालकों के हौसले बुलंद हैं । आपको बता दें क्षेत्र में जनता हॉस्पिटल , जियो हॉस्पिटल , पटेल सेवा हॉस्पिटल , छत्रपति शिवाजी हॉस्पिटल , रिद्धि– सिद्धि हॉस्पिटल , सूर्या हॉस्पिटल , भारत हॉस्पिटल , सिटी नर्सिंग व अन्य नार्शिंगहोम समेत कई क्लीनिक व पैथोलॉजी व अल्ट्रासाउंड संचालित हैं। इन सभी फर्जी अस्पतालों व पैथोलॉजियों में ना तो कभी डॉक्टर आते हैं । इन फर्जी अस्पतालों व पैथोलॉजियों का आलम यह है डाक्टरों की ठेके पर डिग्री लगाकर नर्सिंग होम व पैथोलॉजी के बोर्ड पर बड़ा– बड़ा नाम व डिग्री लिखकर अशिक्षित लोगों को गुमराह करतें हैं। जिसके बाद सामान्य रोग को गंभीर बताकर लाखों रुपए ऐंठ लेते हैं ।

मुख्य विकास अधिकारी द्वारा समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित छात्रावास का किया गया निरीक्षण

हरदोई।मुख्य विकास अधिकारी द्वारा समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित बाबू जगजीवन राम बालिका छात्रावास मन्नापुरवा, राजकीय अनुसूचित जाति बालिका छात्रावास मन्ना पुरवा, राजकीय अनुसूचित जाति बालक छात्रावास, मन्नापुरवा, राजकीय अनुसूचित जाति बालक छात्रावास राजकीय इण्टर कालेज परिसर हरदोई का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। छात्रावास में अधिकतर छात्र–छात्रायें कालेजधविद्यालय गये हुए थे, परन्तु कुछ छात्र–छात्राएं छात्रावास में उपस्थित थीं जिनसे बात की गयी तथा छात्रावास में उपलब्ध सुविधाओं के बारे में चर्चा की गयी। निरीक्षण मे कई कमिया पायी गयी। छात्रावास के कमरों में जालियाँ नहीं लगी हुई थीं जिससे मच्छर आदि कीड़े मकोड़े प्रवेश कर सकते हैं तथा कमरों की खिड़कियों के शीशे भी टूटे हुए थे। पुराने छात्रावासों के कमरों में छात्रों के लिए उपलब्धा कराया गया फर्नीचर पुराना हो गया है तथा अच्छी स्थिति में नहीं पाया गया। शौचालय, बाथरूम एवं उनसे लगे हुए कमरों में सीलन आ रही थी। साफ–सफाई की स्थिति संतोषजनक नहीं पायी गयी। शासनादेश के अनुसार प्रतिवर्ष छात्रों का रिन्यूवल होना चाहिए था, जो नहीं कराया गया है। साथ ही अन्य इन्फास्ट्रक्चर की सुविधायें संतोषजनक स्थिति में नहीं पायी गयीं। छात्र–छात्राओं के वाहन अर्थात साइकिल, मोटरसाइकिल खड़े करने हेतु किसी शेड आदि की व्यवस्था नहीं है तथा बच्चे गैलरी आदि में अस्त–व्यस्त ढंग से साइकिल, मोटरसाइकिल खड़ी करते हैं, जिला समाज कल्याण अधिकारी को शेडध्स्टेण्ड निर्माण कार्य नियमानुसार कराये जाने के निर्देश दिये गये। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा छात्रावासों की जांच हेतु समिति का गठन किया है जो उपलब्ध संसाधन एवं बजट के सापेक्ष छात्रावासों के बेहतर संचालन हेतु सुझाव एक सप्ताह मे प्रस्तुत करेगी। निरीक्षण के समय जिला समाज कल्याण अधिकारी राजमती, अर्चना विश्वकर्मा, अधीक्षिका बालिका छात्रावास, हरदोई एवं ऐश्वर्य सिंह, अधीक्षक, बालक छात्रावास, हरदोई उपस्थित रही।

सपाइयों ने समाजवादी चिंतक डॉ राम मनोहर लोहिया की पुण्यतिथि पर श्रद्धासुमन अर्पित किए

हरदोई।(आरएनएस)समाजवादी पार्टी कार्यालय पर समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष जितेंद्र वर्मा जीतू पटेल ने व समाजवादी पार्टी के नेताओं कार्यकर्ताओं ने महान समाजवादी चिंतक डॉ राम मनोहर लोहिया जी की पुण्यतिथि के अवसर पर उनकी तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर सपा के निवर्तमान जिलाध्यक्ष जितेंद्र वर्मा जीतू पटेल ने कहा कि डॉ लोहिया ने समतामूलक समाज की स्थापना की डॉ लोहिया ने अपना जीवन गरीबों किसानों के लिए संघर्ष करते हुए जिया डॉ लोहिया ने कहा कि लोग मेरे बात सुनेंगे लेकिन मेरे मरने के बाद डॉ लोहिया देश ही नहीं पूरे विश्व में दूसरे महात्मा गाँधी के रूप में विख्यात हुए डॉ लोहिया गरीब और अमीर के भेद के खिलाफ थे डॉ लोहिया रंग भेद के खिलाफ थे।डॉ लोहिया ने अमीरी गरीबी के बीच कि खाई को पाटने के लिए संघर्ष किया व रंगभेद के खिलाफ ताउम्र लड़ते रहे। डॉ लोहिया कहते थे ,राजा का बेटा हो या रंक का सभी को शिक्षा,स्वास्थ्य, चिकित्सा, नौकरी में समान अवसर मिलना चाहिए।डॉ लोहिया की सप्तक्रांति को पूरी दुनिया ने अपनी सरकार की नीतियों में आत्मसात किया। डॉ लोहिया की सादगी का अंदाजा इस बात से लगा सकते है कि जब वो गंभीर बीमार हुए तो बिना किसी को बताए उन्होंने अपने प्राण एक सरकारी अस्पताल में अकेले अस्पताल जाकर एडमिट होकर त्यागे।मृत्यु से पूर्व तक अस्पताल के लोगों को नहीं पता था कि मरने वाला व्यक्ति कोई और नहीं महान समाजवादी चिंतक डॉ राम मनोहर लोहिया जी थे। अस्पताल के लोगों को जानकारी होते ही सभी डॉ व स्टॉफ के लोग लोहिया जी के पार्थिव शरीर से लिपट कर रोने लगे। श्रद्धांजलि सभा में जिला उपाध्यक्ष अजयपाल सिंह, जिला उपाध्यक्ष अमित सिंह मीतू, धर्मेन्द्र प्रताप सिंह,अवनीकांत बाजपेई, रियासत खां,प्रशांत मिश्रा, सईद अहमद, अशोक राना, मोतीलाल यादव आदि लोग उपस्थित रहे।

सेना के अफसरों ने भूतपूर्व सैनिकों की समस्याएं सुनी

हरदोइ। सेना के अफसरों ने पूर्व सैनिक वेलफेयर फाउंडेशन के तत्वावधान में कस्बे के सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट कर्नल राजेश्वर सिंह के आवास पर सेना के अफसरों ने भूतपूर्व सैनिकों की समस्याओं के लिए कैंप का आयोजन किया। जिसमें लखनऊ से आए आर्मी ऑफिसर ने समस्याओं को सुना।

लखनऊ से आई नौवी कुमाऊं रेजीमेंट के नायब सूबेदार आनंद खापी, हवलदार अशोक राही, जीवन सिंह, लायन्स नायक अमित नेगी ने पहुंचकर भूतपूर्व 24 सैनिकों के परिजनों की समस्याएं सुनी। पुरानी पेंशन,जमीनी समस्याओं को लेकर लखनऊ से आई टीम को अवगत कराया गया है। सभी समस्याओं को लेकर उच्चाधिकारियों तक बात रखी जाएगी।जल्द ही भूतपूर्व सैनिकों की समस्याओं का निस्तारण किया जाएगा।इस मौके पर भूतपूर्व सैनिक वेलफेयर फाउंडेशन के जिलाध्यक्ष अशोक कुमार अग्निहोत्री, महेंद्र पाल सिंह,उमेश यादव, राजीव यादव कई भूतपूर्व सैनिक मौजूद रहे।

का मंत्री ने किया उद्घाटन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। उत्तर प्रदेश समाज कल्याण राज्य मंत्री संजीव

कुमार गोंड़ द्वारा बृहस्पतिवार को सदर विकास खण्ड क्षेत्र के अन्तर्गत मारकुंडी मुख्य राज मार्ग स्थित मारकुंडी बाजार में उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के तहत कौशल विकास प्रशिक्षण केन्द्र का शुभारंभ फीता काटकर किया गया। कार्यक्रम के दौरान समाज कल्यायाण राज्य ने वहां मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए बताया कि आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र के गरीब निरिह युवाओं के भविष्य के लिए सुनहरे अवसर को लेकर आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र के लोगों में हर्ष व्याप्त है।उक्त सम्बन्ध में कौशल विकास मिशन के एम डी प्रबंधक निषांत ओझा ने बताया कि इस प्रशिक्षण केन्द्र में कंम्पयूटर लैब 30सिस्टम के साथ कढ़ाई बुनाई लैब,क्लास रूम 4 , प्रोजेक्टर 2 , के साथ साथ ट्रेडिशनल हैण्ड एम्बेसडर का भी प्रशिक्षण दिलाया जाएगा।और कंम्पयूटर में डेक्सटाप पब्लिशिंग एण्ड एकाउंटिंग व ताकत स्किल से संबंधित कोर्स का भी प्रशिक्षण दिया जाएगा।इस प्रशिक्षण हेतु लाभार्थी की आयु सीमा 18से 35 वर्ष निर्धारित किया गया। केंद्र प्रबंधक मीनू चौबे ने बताया कि आसपास के बच्चों के सुनहरे भविष्य को लेकर वह उनके जीविकोपार्जन के लिए संबंधित जानकारी व ट्रेनिंग के माध्यम से प्रेषित किया जाएगा जिससे कि स्व लंबी बनते हुए वह स्वयं स्वरोजगार स्थापित कर अपने जीवन में भरण–पोषण का काम कर सकें।उक्त अवसर पर लीला देवी चोपन ब्लाक प्रमुख, तीरथ राज पूर्व विधायक, हर्षिता चतुर्वेदी, संजय सिंह प्रधान, बी एन गुप्ता, श्रवण कुमार पूर्व प्रधान, अशोक कुमार, रामलालअगरिया, शिवरतन सिंह गौड़ इत्यादि महिला पुरुष उपस्थित रहे।

साफ–सफाई की व्यवस्था दुरूस्त रखने के निर्देश दिये:–मंगला प्रसाद सिंह

हरदोई।जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण किया गया। उन्होंने पर्चा काउन्टरों पर लाइन मे लगे लोगों से संवाद कर अस्पताल की व्यवस्थाओं के संबधा मे बात की। उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को निर्देश दिये कि अस्पतालों मे दवाओं की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की जाये तथा मरीजों को बाहर की दवायें खरीदने पर विवश न किया जाये। जिलाधिकारी ने मरीजों के बैठने के शेड की जर्जर हालत देखकर नाराजगी जतायी तथा इसे सही कराने के संबध मे निर्देश दिये। अस्पताल मे गन्दा पानी भरे होने पर उन्होंने नाराजगी जतायी। इसी क्रम मे उन्होंने एक्सरे कक्ष व महिला अस्पताल मे सीपी स्कैन कक्ष का निरीक्षण किया तथा व्यवस्थाओं को चांक चौबंध रखने के निर्देश दिये। महिला अस्पताल मे प्रसाधन कक्ष से आ रही बदबू को लेकर उन्होंने रोष व्यक्त किया तथा साफ–सफाई की व्यवस्था दुरूस्त रखने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि मरीजों व तीमारदारों से अच्छा व्यवहार किया जाये तथा उनके बैठने व रूकने के स्थानों को साफ रखा जाये। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक जिला चिकित्सालय (पुरूष) एसएन तिवारी, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक (महिला) चिकित्सालय डा विनीता चतुर्वेदी व जिला सूचना अधिकारी संतोष कुमार उपस्थित रहे।

बाजार में टूट कर गिरा हाइटेंशन तार, मची अफरातफरी

लार। नगर के लक्खू मोड़ पर सड़क के ऊपर से गुजरा हाइटेंशन तार अचानक .दोपहर में टूट कर गिर गया। जिस समय तार टूटा उस समय करंट प्रवाहित हो रहा था। रास्ते से गुजर रहे तीन छात्र दुकानदारों की सक्रियता से चपेट में आने से बच गए। उधर, बाजार आए लोगों में अफरातफरी मच गई। सूचना के बाद निगम के कर्मचारियों ने आपूर्ति ठप की तो लोगों ने राहत की सांस ली। नगर में लगे विद्युत तार जर्जर हो गए हैं, जो आए दिन टूट कर गिर रहे हैं। इससे कभी भी हादसा हो सकता है। लोगों की मांग के बाद भी निगम द्वारा तार नहीं बदला जा रहा है। दोपहर में लक्खू मोड़ पर अचानक तार टूट कर गिर गया। उस समय करंट प्रवाहित हो रहा था। इसी बीच रास्ते से तीन छात्र पैदल ही स्कूल से घर की तरफ लौट रहे थे। वह जैसे तार के समीप पहुंचे तभी पास के एक दुकानदार ने उन्हें धक्का देकर तार को डंडे के सहारे पीछे कर दिया। वरना बड़ा हादसा हो सकता था। उधर, सड़क के किनारे गिरे तार से चिंगारी निकलते देख बाजार आए लोगों में अफरातफरी का माहौल रहा। दुकानदारों ने लोगों के बचाव के लिए सड़क के दोनों तरफ लकड़ी के डंडे लगा दिए। कुछ देर बाद पहुंचे निगम के कर्मियों ने तार को ठीक कर आपूर्ति बहाल की। इसके पहले भी नगर के हाइडिल तिराहा, खीरी मोहल्ला व पिपरा चौराहा के दलित बस्ती वार्ड में तार टूट कर गिर गया था। उस समय भी आपूर्ति चालू थी। लोगों की सक्रियता से राहगीरों की जान बची थी। जेई राजकुमार ने बताया कि सूचना मिलते ही आपूर्ति रोक दी गई। टूटे तार को ठीक करा दिया गया है। जर्जर तार जल्द बदले जाएंगे। इसकी मांग निगम के अधिकारियों से की गई है।

बीट पुलिस अधिकारी गंभीरता से कार्य करें–डीआईजी

महराजगंज। पुलिस उप महानिरीक्षक जे. रविन्द्र गौड़ ने पुलिस लाइन परिसर में (बीपीओ) बीट पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक की। आपरेशन तलाश के प्रगति की समीक्षा करने के साथ ही बीट पुलिस अधिकारियों को सी प्लान की महत्ता के बारे में विस्तार से जानकारी दी। सर्वश्रेष्ठ बीपीओ उपेन्द्र कुमार को जोन स्तर से प्राप्त प्रशस्ति पत्र को दिया गया। पुलिस उप महानिरीक्षक जे. रविन्द्र गौड़ ने कहा कि कानून व्यवस्था को चुस्त दुरुस्त रखने व शासन के उद्देश्यों को आम नागरिक तक पहुंचाने में पुलिस की भूमिका महत्वपूर्ण है। बीट पुलिस अधिकारियों को गंभीरता से कार्य करने की जरूरत है। उन्होंने बीट पुलिस अधिकारियों को अपराधी सत्यापन, एचएस चेकिंग तथा बीट की समस्त गतिविधियों पर नजर रखने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि अपहरण व गुमशुदा व्यक्तियों की तलाश तेज करें। पुलिस में नए प्रयोगों तथा नई तकनीकों पर बीपीओ व थाना प्रभारियों से सुझाव मांगा। बेहतर सुझाव पर विचार कर प्रयोग में लाने की बात कही। सी प्लान की महत्ता के बारे में बताते हुए उन्होंने अधिक से अधिक लोगों को सी प्लान में जोड़ने की बात कही। पुलिस अधीक्षक डॉ. कौस्तुभ ने गुमशुदा व्यक्तियों की तलाश के लिए चले अभियान की प्रगति के बारे में जानकारी दी। उप महानिरीक्षक ने इस अभियान को अनूठा बताते हुए जारी रखने निर्देश दिया।

लाल निशान पार कर बह रही राप्ती व रोहिन, शेष में पानी कम हुआ

महराजगंज। नेपाल में बारिश की वजह से जिले में बहने वाली राप्ती व रोहिन नदी भी लाल निशान पार कर बहती मिली। दोनों नदियों के खतरे के निशान के उपर बहने से बंधे के किनारे रहने वाले ग्रामीणों की चिंता बढ़ी हुई है। वहीं गंडक, प्यास व चंदन नदी के जलस्तर में गिरावट दर्ज की गई। महाव नाला भी आधा फीट घट कर बहता पाया गया। अधिशासी अभियंता सिंचाई खंड द्वितीय राजीव कपिल ने बताया कि तुलना में रोहिन नदी के जलस्तर में .28 मिलीमीटर की कमी आई है, मगर वह खतरे के निशान से अभी भी 0. 70 मिलीमीटर उपर बह रही है। राप्ती नदी के जलस्तर में तुलना में 0.08 मिलीमीटर की बढ़ोत्तरी पाई गई। गंडक नदी खतरे के निशान से 0.60 मीटर, चंदन नदी 1.05 मीटर तथा प्यास नदी 0.40 मिलीमीटर नीचे बहती पाई गई। महाव नाले का जलस्तर कम मिला। हालांकि जिले में सुबह आठ बजे तक तीन मिलीमीटर बारिश रिकार्ड की गई। 10 बजे के बाद खिली धूप दिन भर जारी रही।

बर्बाद हुई फसल का मुआवजा दिलाने के लिए सौंपा ज्ञापन

महराजगंज। बीते दिनों हुई बारिश की वजह से खेतों में जलभराव हो गया है। जिससे फसल बर्बाद हो गई है। जंगल दुधई उर्फ चेहरी गांव के लोगों ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर मुआवजा दिलाने की मांग की। लोगों ने कहा कि फसल बर्बाद होने के कारण खेत में लगी पूंजी भी नहीं निकल पाएगी। राजेंद्र चौधरी ने कहा कि खेत में जलभराव होने से फसल पूरी डूब गई है। बर्बाद फसलों का आकलन कराते हुए मुआवजा दिलाया जाए। अगर फसलों का मुआवजा नहीं मिला तो किसानों को अगली फसल के बुवाई में दिक्कत होगी। इस मौके पर संतकृपाल, राम अवध, राजू, जगदीश निषाद, राकेश आदि मौजूद रहे।

टीकाकरण की खराब प्रगति पर दो एएनएम का वेतन रूका

महराजगंज। गर्भवती महिलाओं, बच्चों को लगने वाले टीका में लापरवाही मिलने पर सदर सीएचसी अधीक्षक ने .दो एएनएम का वेतन रोक दिया। वहीं गांव की आशा कार्यकर्ता से भी जवाब तलब किया है। सदर सीएचसी अधीक्षक डॉ. केपी सिंह ने बताया कि महुअवां गांव के आंगनबाड़ी केंद्र पर टीकाकरण सत्र का निरीक्षण किया गया। यहां जून से 12 सिंतबर के केवल 16 लाभार्थियों का ही टीकाकरण किया गया था। कुल 9 बच्चों व 3 गर्भवती महिलाओं को टीका लगाया गया था। जिसमें से दो गर्भवती और चार बच्चे केंद्र पर टीकाकरण के लिए आए थे। ऐसे में यहां तैनात एएनएम, आशा द्वारा अपने दायित्व का ठीक ढंग से निर्वहन नहीं किया जा रहा है।ऐसे में संबंधित दोनों एएनएम को टीकाकरण की प्रगति सुधार होने तक वेतन रोक दिया गया है। सीएचसी अधीक्षक ने बताया पटेल नगर में टीकाकरण केंद्र में निरीक्षण के समय यहां सूची के अनुसार बच्चों का टीकाकरण किया जा रहा था। मौके पर ब्लाक कार्यक्रम प्रबंधक सूर्य प्रताप सिंह भी मौजूद रहे।

कंप्यूटर आपरेटरों ने कम मानदेय देने की शिकायत की

निरीक्षण के समय बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय पर आए कंप्यूटर आपरेटर शिवराम, सहायक लेखाकार अनूप गुप्ता तथा कंप्यूटर आपरेटर सोनम सिंह ने बताया कि संबंधित फर्म की ओर से उन्हें कम मानदेय दिया जा रहा है वहीं उसे देने में लेटलतीफी भी की जा रही है। जिस पर सीडीओ ने बीएसए को मोबाइल पर निर्देशित किया कि वे संविदा कर्मियों के मानदेय संबंधी समस्या का नियमानुसार समाधान कराएं तथा तीन दिन के अंदर उसकी सूचना भी उपलब्ध कराएं।

ऑनलाइन करा सकते हैं, युवक और महिला मंगल दल का गठन

देवरिया। अब युवक और महिला को मंगल दल के लिए ऑफिस का चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा। कोई भी व्यक्ति कमेटी का गठन कर ऑनलाइन वेबसाइट पर आवेदन कर सकता है। आवेदन करने पर क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी गांव पहुंचेंगे और गठन की पूरी प्रक्रिया की जांच–पड़ताल करने के बाद हरी झंडी देंगे। हर गांव में दल के गठन के लिए विभाग ने खाका तैयार किया है। जनपद के सभी गांवों में युवक और महिला मंगल दल के गठन के लिए कवायद तेज कर दी गई है। इसके लिए विभाग ने नया प्रोफार्मा तैयार किया है। इन गांवों में कमेटी बनाकर युवक मंगल दल का गठन किया जाएगा, जबकि महिलाओं के लिए भी महिला मंगल दल का गठन किया जाएगा। इसके लिए सभी ग्राम पंचायतों का पूरा ब्योरा तैयार किया गया है। जिले की 1185 ग्राम पंयायतों में करीब सात सौ में ही युवक मंगल दल और 540 में महिला मंगल दल का गठन है। आधी से अधिक ग्राम पंचायतों में महिला मंगल दल नहीं है। जबकि एक तिहाई गांवों में युवक मंगल दल नहीं है। इतना नहीं निष्क्रिय दलों को भी सक्रिय करने के लिए विभाग ने पुराने मंगल दलों से संपर्क शुरू कर दिया है।

इसके लिए हर क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी को हर माह गठन करने का लक्ष्य दिया गया है। इसके तहत जनवरी माह तक पूरा करने की योजना बनाई गई है। इसके लिए विभाग विभिन्न माध्यमों से ग्राम पंचायतों में जागरुकता करा रहा है, जिससे ग्रामीण युवक आगे आएं। मंगल दल के जरिए अपनी ऊर्जा का उपयोग सही दिशा में करें। सामाजिक गतिविधियों में अपनी भागीदारी दर्ज कराएं।

पुरस्कार की है व्यवस्था: देवरिया। जिला युवा कल्याण अधिकारी नितिश राय ने बताया कि युवक और महिला मंगल दलों को प्रोत्साहित करने के लिए ब्लॉक स्तर पर पांच हजार और जनपद स्तर पर बीस हजार रुपये का पुरस्कार देने की व्यवस्था है। हर गांवों में मंगल दल का गठन किया जाना है। इसके लिए ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरीके से आवेदन किए जा सकते हैं। ऑनलाइन के लिए **prd-data-centrer.co.in** पर आवेदन किया जा सकता है।

देवरिया–कुशीनगर के गांव नहीं हो सके ऑनलाइन

देवरिया। ग्राम पंचायतों को नेशनल ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क (भारत नेट) से जोड़ने के लिए करोड़ों रुपये खर्च कर दिए गए हैं। इसके बावजूद देवरिया और कुशीनगर के सभी गांव ऑनलाइन नहीं हो पाए हैं। इतना ही नहीं जिन जगहों पर काम पूरा भी हो गया है, वहां की पंचायतें डाटा कनेक्टिविटी कनेक्शन लेने में दिलचस्पी नहीं दिखा रही हैं। इसकी वजह से अधिकतर ग्राम सचिवालय अभी ऑफलाइन हैं। नेशनल ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क के तहत देवरिया और कुशीनगर की 1700 ग्राम पंचायतों को जोड़ा जाना है। इस काम को मार्च तक पूरा किया जाना है। इसके लिए चार हजार किलोमीटर ऑप्टिकल फाइबर के जरिए केबल डाला जाना है, ताकि बीएसएनएल का नेटवर्क इन गांवों तक पहुंच जाए। इसमें देवरिया जनपद की 483 और कुशीनगर की 610 ग्राम पंचायतों में नेटवर्क पहुंच जाने का दावा निगम कर रहा है। इसके लिए करीब 2500 किलोमीटर ऑप्टिकल फाइबर डाल दिया गया है। सच तो यह है कि ओएफसी डालने के बाद भी ग्राम पंचायतों में अधिकतर जगहों पर कनेक्टिविटी नहीं है। कारण यह कि नेटवर्क से जुड़ने के लिए ग्राम पंचायतें आगे नहीं आ रही हैं। ऐसे में गांव ऑनलाइन नहीं हो पा रहे हैं। इसके कारण शहर से लेकर देहात फाइबर टू होम के जरिए ऑनलाइन की मंशा पर पानी फिर रहा है। साथ ही राजस्व की क्षति हो रही है।

पुराने नंबर पर लुभावनी सेवा

देवरिया। शहर में शुरू हो चुकी फाइबर टू होम सेवा के लिए बेसिक फोन उपभोक्ता अपने नंबर को इस सेवा से जोड़ सकते हैं। इतना नहीं बंद हो चुके पुराने नंबर के जरिए फिर से चालू करा कर सेवा ले सकते हैं। पुराने उपभोक्ताओं को उनका लैंडलाइन नंबर एफटीएच में बदल कर यह सुविधा दी जा रही है।

गांवों में सुनाई पड़ेगी टेलीफोन की घंटी

देवरिया। फाइबर टू होम सेवा के जरिए बीएसएनएल शहर से लगायत गांव तक इंटरनेट व टेलीफोन कनेशक्न देने की तैयारी कर रहा है। इसके लिए शहर के आसपास के इलाकों में फ्रेंचाइजी के माध्यम से कनेक्शन दिए जाने हैं। योजना के अनुसार स्मार्ट टीवी चलाने की सुविधा भी कनेक्शनधारक को होगी।

पंचायत भवनों पर लटक रहा ताला, घर बैठे मानदेय ले रहें सहायक

निचलौल। ब्लॉक क्षेत्र में पंचायत भवनों की स्थिति ठीक नहीं है। क्योंकि जिम्मेदारों की उदासीनता के चलते अधिकतर पंचायत भवन बंद रहते हैं। सहायक पंचायत इसमें बैठते नहीं हैं। जिसके चलते ग्रामीणों का प्राथमिक स्तर की अधिकांश समस्याओं का निस्तारण नहीं हो पा रहा है। ऐसे में उन्हें कोसों दूरी तय कर ब्लॉक के चक्कर लगाना मजबूरी बन गया है। ब्लॉक के मुसहर बस्ती बहुआर खुर्द निवासी बाबूलाल और लीलावती देवी का कहना है कि पंचायत भवन पर हमेशा ताला लटका रहता है। पंचायत भवन पर न तो विकास कार्यों को लेकर कभी बैठक की जाती है, न ही ग्रामीणों को प्राथमिक स्तर की सुविधाएं मिल पाती है। ऐसे में ग्रामीणों को 11 किलोमीटर की दूरी तय कर ब्लॉक कार्यालय का चक्कर लगाना पड़ता है। अमड़ी निवासी मोतीचंद और सुशीला देवी ने कहा कि पंचायत भवन पर पंचायत सहायक के रूप में तैनात कर्मी भी वहां नहीं बैठते हैं। वह घर बैठे छह हजार रुपये मानदेय ले रहे हैं। पंचायत भवन में कर्मचारियों के न आने से हमेशा ताला लटका रहता है। ऐसे में ग्रामीणों को परिवार रजिस्टर की नकल, जन्म और मृत्यु प्रमाणपत्र सहित अन्य सुविधाएं नहीं मिल पा रही है। जिसके चलते ग्रामीणों को आठ किलोमीटर दूरी तय कर ब्लॉक का चक्कर काटना पड़ता है। जबकि जिम्मेदार घर बैठ मानदेय ले रहे है। भारत नेपाल बॉर्डर से सटे स्थित झुलनीपुर निवासी दिनेश यादव और किशोर पाल ने कहा कि पंचायत भवन पर प्राथमिक सुविधाएं नहीं हैं। ऐसे में उन लोगों को 12 किलोमीटर की दूरी तय कर ब्लॉक कार्यालय का चक्कर काटना मजबूरी है। वहीं पंचायत भवन पर मौजूद सहायक पंचायत ह्रदेश कुमार ने कहा कि बॉर्डर से सटे होने के कारण नेटवर्क नही चलता है। ऐसे में ग्रामीणों को सुविधाएं मुहैया नहीं हो पाती है। करमहिया निवासी जितेंद्र श्रीवास्तव और अमरजीत ने कहा कि गांव में पंचायत भवन जर्जर हो चुका था। जिसकी छत गिर चुकी है। यहां पंचायत भवन का संचालन नहीं हो रहा है। गांव के लोग इस सुविधा का लाभ नहीं उठा पा रहे हैं। जबकि सहायक पंचायत की तैनाती कर मानदेय दिया जा रहा है।

मरीजों को मिले सहूलियत, सुविधाएं बढ़ाएं : डीएम

देवरिया। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कॉलेज का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सुविधाओं को बढ़ाने के निर्देश दिए। ओपीडी में मरीजों की सहूलियत के लिए इंसानियत को देखते हुए एग्जास्ट फैन आदि के इंतजाम करने के भी निर्देश दिए।

जिलाधिकारी सबसे पहले दवा वितरण काउंटर पर पहुंचे, जहां काफी भीड़ थी और लंबी कतार लगी थी। उन्होंने मरीजों की सुविधा के लिए दो अतिरिक्त काउंटर खोलने के निर्देश दिए। हालांकि, चार दवा काउंटरों के माध्यम से दवा वितरण का कार्य हो रहा है। उन्होंने दवा वितरण काउंटर पर मरीजों की सुविधा को देखते हुए पंखा लगाने और बैठने की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने प्रधानमंत्री जनऔषधि केंद्र पर वितरित होने वाली जेनरिक दवाओं के बारे में भी जानकारी प्राप्त की।

उन्होंने मेडिकल कॉलेज के ओपीडी रजिस्ट्रेशन काउंटर स्थल पर वेंटिलेशन के लिए एग्जास्ट फैन लगाने के निर्देश दिए। डीएम से पर्ची काउंटर के पास परसौना गांव की राजकुमारी देवी ने एनड्राइव फोन न होने पर एक्स रे रिपोर्ट न मिलने की शिकायत की। समस्या सुनने के बाद चिकित्साधिकारियों से समाधान को कहा।

डीएम ने पुरुष शौचालय में गंदगी मिलने पर नाराजगी व्यक्त की और सफाई व्यवस्था दुरुस्त रखने के बारे निर्देश दिए। उन्होंने भवन के गुंबद का कार्य 30 अक्तूबर तक पूर्ण करने के लिए तथा पैथोलॉजी कक्ष में पार्टीशन करने तथा सैंपल देने के लिए आने वाले मरीजों के लिए छाए का इंतजाम करने का निर्देश दिए।

डीएम से पूर्व जिला पंचायत सदस्य शिवाजी गोंड ने स्ट्रेचर की संख्या कम होने से मरीजों के परेशानी की बात कही। डीएम ने मेडिकल कॉलेज में स्ट्रेचर एवं बैठने के लिए कुर्सियों की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए। मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. राजेश कुमार बरनवाल ने जिलाधिकारी को बताया कि इंडियन आयल की ओर से कुर्सियां उपलब्ध कराई जा रही हैं। 15 स्ट्रेचर मंगाए गए हैं, जो दो से तीन दिन के अंदर उपलब्ध हो जाएंगे।

डीएम ने मेडिकल कॉलेज परिसर में प्रस्तावित कैंटीन, सुलभ शौचालय आदि के लिए प्रस्तावित स्थल के बारे में भी जानकारी ली। उन्होंने कहा कि मरीज एवं उनके साथ आने वाले तीमारदारों की सुविधा का ध्यान रखते हुए मेडिकल कॉलेज को अधिक से अधिक जनोपयोगी बनाया जाएगा।

निरीक्षण में अनुपस्थित मिले बीएसए समेत दस कर्मी, रोका गया वेतन

महराजगंज। मुख्य विकास अधिकारी गौरव सिंह सोगरवाल ने .जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान बीएसए समेत दस कर्मी अनुपस्थित मिले, जिस पर उन्होंने अगले आदेश तक सभी का वेतन व मानदेय रोकने के निर्देश दिए। मुख्य विकास अधिकारी दिन में 11 बजकर 10 मिनट पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय पहुंचे। निरीक्षण में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी आशीष सिंह, जिला समन्वयक बालिका रुद्रप्रताप सिंह, जिला समन्वयक निर्माण वीरेंद्र सिंह, जिला समन्वयक एमआईएस दिनेश मिश्रा व जिला समन्वयक एमडीएम शैलेंद्र वर्मा कार्यालय में नहीं मिले। इसके साथ ही वरिष्ठ सहायक सरस्वती शर्मा व राजीव कुमार चौरसिया, कनिष्ठ सहायक कुलदीप चौधरी, परिचारक फिरोज अहमद, कंप्यूटर आपरेटर भोलेंद्र श्रीवास्तव भी कार्यालय में मौजूद नहीं मिले, जिस पर उन्होंने सभी के वेतन व मानदेय को अगले आदेश तक रोकने के निर्देश दिए। कार्यालय में सफाई व्यवस्था बेहतर मिलने पर उन्होंने संतोष जताया। अनुदेशकों के मानदेय के संबंध में सहायक लेखाकार की ओर से बताया गया कि मानदेय भेजे जाने की प्रक्रिया को पूरा करा लिया गया है। उन्होंने निर्देशित किया कि दीपावली से पूर्व सभी का भुगतान कर दिया जाए। सीडीओ ने बताया कि निरीक्षण में अनुपस्थित मिले बीएसए समेत सभी दस कर्मियों का वेतन व मानदेय रोका गया है।

सरयू समेत सभी नदियां उफान पर, लोगों की धड़कन बढ़ी

देवरिया। सरयू नदी उफान पर है। नदी इस वर्ष के उच्चतम सीमा 67.90 मीटर पार कर पांच सेमी ऊपर बह रही है। नदी के जलस्तर में हो रही निरंतर वृद्धि के कारण तटवर्ती गांवों के लोग सहमे हुए हैं।

सरयू में आई बाढ़ से राप्ती भी उफान पर है। सरयू में उमड़ रहे सैलाब से नदी का पानी नगर के कुछ वार्डों सहित देहात क्षेत्र के रिहायशी इलाकों तक पहुंच गया है। अधिकारी नदी के 20 सेमी और बढ़त बनाने की आशंका जता रहे हैं।

पिछले एक सप्ताह से रुक–रुककर हो रही बारिश से जलस्तर में तेजी से बढ़ा है। थाना घाट पर बनाए गए मीटर गेज पर नदी खतरे के निशान 66.50 से 1.45 मीटर ऊपर बह रही है। नदी का पानी खेतों आदि के रास्ते बेलडॉड़, कटइलवा, नौका टोला में सागौन के बगीचे, मठियां, कपरवार–रुद्रपुर मार्ग पर बिनोवापुरी गांव तक पहुंच गया है। नगर के जहाज घाट, पटेल नगर दक्षिणी, पश्चिमी, रविदास मंदिर, पुराना बरहज, आजाद नगर दक्षिणी, गौरा सहित कुछ वार्ड बाढ़ के पानी की जद में आ गए हैं। बाढ़ का पानी नाली–नालों के रास्ते मास्टर लियाकत, सुभाष निषाद, गोलू तिवारी, रामविलास, संतोष राजभर, सोहन, कैलाश आदि के घरों में पहुंच गया है। वहीं परसियां–विशुनपुर देवार के दो दर्जन टोले बाढ़ से घिरे हुए हैं, जबकि भदिला प्रथम और गोरखपुर जनपद का कोलखास गांव टापू बना हुआ है। नदी के जलस्तर में निरंतर वृद्धि से लोगों की दुश्वारियां बढ़ गई हैं।

13 बाढ़ चौकियों को किया गया अलर्ट: सरयू में उफान से नदी खतरे के निशान से 1.45 मीटर ऊपर प्रवाहित हो रही है। नदी के उग्र तेवर को देख प्रशासन सक्रिय है। एसडीएम गजेंद्र सिंह ने बताया कि 13 बाढ़ चौकियों पर कर्मचारियों की तैनाती कर चौकसी बढ़ा दी गई है। जबकि तहसीलदार अश्वनी कुमार और नायब तहसीलदार जितेंद्र सिंह को निगरानी आदि की जिम्मेदारी दी गई है। बाढ़ के पानी से घिरे लोगों के आवागमन के लिए परसियां–विशुनपुर देवार में 13, भदिला प्रथम में चार और देवरहा बाबा आश्रम के निकट दो नावें लगाई गई हैं।

अधिकारियों ने बंधों का किया निरीक्षण, जाना हाल: बाढ़ खंड विभाग के सहायक अभियंता अशोक द्विवेदी ने जेई नागेंद्र सिंह सहित अन्य सहयोगियों के साथ बंधों का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने कटइलवा–कपरवार संगम तट तक बने नवीन बांध, महेन, मोहरा आदि जगहों पर बने बंधों की स्थिति का जायजा लिया। सहायक अभियंता ने बताया कि नेपाल और उत्तराखंड के सात लाख क्यूसेक पानी को लखीमपुर बैराज के रास्ते छोड़ा गया है। जिससे नदी के जलस्तर में बढ़त दर्ज की गई है। नदी के अभी और बढ़ने की संभावना है। फिलहाल हालत सामान्य है।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गोला के कर्मचारियों ने बाढ़ पीड़ितों में दवा बितरण किया

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोला,गोरखपुर। गोला ब्लाक के करीब एक दर्जन गांवों में घाघरा नदी (सरयू जी)का पानी घुस गया है। जिससे गांव के लोगो के जीवन यापन में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। गांव में बाढ़ का पानी होने के कारण लोग बीमार हो रहे हैं। लोगों की परेशानियों को देखते हुए आज दिनांक 13ध10ध2022 को गोला प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के द्वारा बिसरा गांव में जीवन रक्षक दवाओं का बितरण किया गया। दवाओं में मुख्यतया बुखार,पेट दर्द, उल्टी–दस्त,ओ आर एस घोल, ब्लीचिंग पाउडर, कैल्सियम, आयरन आदि स्वास्थ्य पर्यवेक्षक बिनय कुमार यादव के नेतृत्व में टीम द्वारा बितरण किया गया। टीम में मुख्य रूप से मनोज कुमार श्रीवास्तव, तृप्ति सिंह, सुरैना आदि।

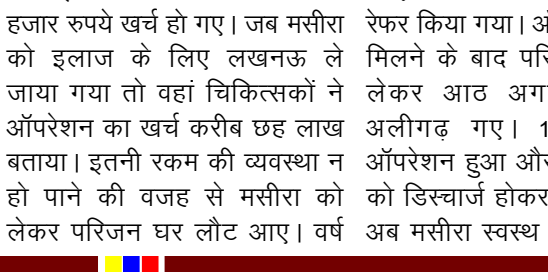

मासूम मसीरा को मिला जीवनदान

महराजगंज। दिल की बीमारी से पीड़ित चार वर्षीय मासूम मसीरा को जीवन दान मिल गया है। अलीगढ़ मेडिकल कॉलेज के चिकित्सक मसीरा के लिए मसीहा साबित हुए हैं। अब वह स्वस्थ है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम की टीम के प्रयास से मसीरा को नई जिंदगी मिलने के बाद मां माजिदा सहित परिजन बेहद खुश हैं।

स्वास्थ्य विभाग ने बच्ची मसीरा की बीमारी को चिह्नित किया था। गोरखपुर के एक निजी चिकित्सक तथा रतनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से जुड़ी राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) की बी टीम की मदद से अलीगढ़ मेडिकल कॉलेज में 10 अगस्त 2022 को मसीरा के हार्ट की सफल सर्जरी हुई।

रतनपुर ब्लॉक के ग्राम पोखरभिंडा निवासी मसीरा की मां माजिदा ने बताया कि जब मसीरा डेढ़ साल की थी तो उसकी तबीयत खराब हुई। सर्दी, जुकाम, खांसी, उल्टी तथा सांस लेने में तकलीफ हो रही थी। कोल्हुई बाजार के एक निजी चिकित्सक को दिखाया तो उन्होंने गोरखपुर जाकर किसी चिकित्सक से इलाज कराने की सलाह दी। गोरखपुर में जब एक निजी चिकित्सक को दिखाया तो उन्होंने कई जांच कराई। जांच रिपोर्ट देखकर बताया कि मसीरा को दिल की बीमारी है। उन्होंने लखनऊ रेफर कर दिया। कोल्हुई से लेकर गोरखपुर तक इलाज कराने में करीब आठ हजार रुपये खर्च हो गए। जब मसीरा को इलाज के लिए लखनऊ ले जाया गया तो वहां चिकित्सकों ने ऑपरेशन का खर्च करीब छह लाख बताया। इतनी रकम की व्यवस्था न हो पाने की वजह से मसीरा को लेकर परिजन घर लौट आए। वर्ष 2021 जब आरबीएसके की टीम मिनी आंगनबाड़ी केंद्र पोखरभिंडा गई तो वहां की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता ने केंद्र पर पंजीकृत मसीरा के बीमारी के बारे में बताया। आरबीएसके के प्रबंधक डॉ. कमरूज्जमा लारी ने बताया कि मसीरा को इलाज के लिए 27 अगस्त 2021 को अलीगढ़ रेफर किया गया। ऑपरेशन की तिथि मिलने के बाद परिजन मसीरा को लेकर आठ अगस्त 2022 को अलीगढ़ गए। 10 अगस्त को ऑपरेशन हुआ और वह 16 अगस्त को डिस्चार्ज होकर घर चली आई। अब मसीरा स्वस्थ है।

जनकल्याण किसान एसोसिएशन कार्यालय पर धरतीपुत्र को दी गई श्रद्धांजलि

दैनिक बुद्ध का संदेश

बाराबंकी। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री,देश के पूर्व रक्षा मंत्री,लोहिया जी के पदचिन्हो पर चलने वाले, समाजवाद के पुरोधा, धरतीपुत्र श्रद्धेय मुलायम सिंह यादव नेताजी की श्रद्धांजलि एवम शोक सभा का आयोजन बुधवार को विकासखंड देवा के ग्राम उमरी स्थित जनकल्याण किसान एसोसिएशन कार्यालय पर किया गया। श्रद्धांजलि सभा में जनकल्याण किसान एसोसिएशन के पदाधिकारियों व सदस्यों के अलावा कई सम्मानित किसान व समाजसेवी जन उपस्थित होकर नेताजी को पुष्पांजलि अर्पित किया। अंत में 2 मिनट का मौन धारण कर नेताजी के दिवंगत आत्मा की शांति और श्री चरणों में वास देने हेतु ईश्वर से प्रार्थना की गई। संगठन के चेयरमैन धर्म कुमार यादव ने कहा कि नेताजी के चरित्र का चित्रण करना सूर्य के सामने चिराग दिखाना जैसा होगा। नेताजी की कीर्ति उत्तर प्रदेश नहीं पूरे देश में कायम है और कायम रहेगी। उन्होंने जो एक अहम काम किया उसके लिए मैं उनका सदैव आभारी रहूंगा। उनको शत–शत नमन करता हूं कि उन्होंने शहीद सेनानियों के पार्थिव शरीर को उनके घर तक पहुंचाने की नीति बनाई और आज सभी शहीदों के परिजन उनका अंतिम संस्कार अपने हाथों करते हैं। इसी क्रम में कुंवर हेल्थ एंड एजुकेशनल

ट्रस्ट के संस्थापकध अध्यक्ष उमेश चंद्रा ने कहा कि परम श्रद्धेय धरती पुत्र मुलायम सिंह यादव जी समाजवाद के पुरोधा थे।जाति– पाति, भेदभाव से ऊपर उठकर उन्होंने जमीनी राजनीति की। गरीब किसानों को राजनीति में उतारकर उन्हें नेता बना दिया। ऐसे नेता को मैं शत शत नमन करता हूं। इसी क्रम में युवा समाजसेवी विकास सिंह बिसेन ने कहा कि नेताजी धरती पुत्र मुलायम सिंह एक नेता बनाने की फैक्ट्री थे और उन्होंने अपने कार्यकाल में जो कुछ कर दिखाया वह अति स्मरणीय होगा। श्री बिसेन ने यह भी कहा कि नेता जी ने जातिवाद की राजनीति से हटकर क्षत्रिय समाज को भी राजनीति में आगे बढ़ाया और एमपी एमएलए बनाने का काम किया। इस अवसर जिलाध्यक्ष जमुना सिंह यादव ,देवा ब्लॉक सचिव नरेंद्र कुमार यादव, महेश प्रसाद,राम भरोसे यादव, पूर्व प्रधान हनोमान प्रसाद यादव, विश्राम यादव, केशव राम यादव, राम मिलन, शिव सिंह,शम्भू प्रसाद,हरदेव प्रसाद ,सदफ सिंह,हनुमान प्रसाद, रवि यादव,आकाश यादव, सुधीर कुमार यादव ,संजीत यादव सहित तमाम समाजसेवी व किसान भाई उपस्थित रहे।

तृतीय सत्र–हार्टफुलनेस प्रार्थना एवं ध्यान का आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। हार्टफुलनेस कार्यक्रम का शुभारंभ कॉलेज के प्राचार्य संतोष कुमार चौबे के आह्वाहन पर भाई गोपालजी द्वारा किया गया। हार्टफुलनेस रिलैक्सेशन एवं मेडिटेशन एवम आंतरिक शुद्धीकरण के बारे में जानकरी को दोहराते हुए हार्टफुलनेस प्रार्थना पर वार्ता हेतु भाई अशोक कुमार को आमंत्रित किया गया जिन्होंने हार्टफुलनेस प्रार्थना के बारे में सभी को सविस्तार जानकारी दिया कि हार्टफुलनेस प्रार्थना के अंतर्गत हम ईश्वर से किसी चीज की याचना नहीं करते । हार्टफुलनेस प्रार्थना में हम अपने हृदय में पहले से मौजूद दिव्य प्रकाश के स्रोत को संबोधित करते हुए एक आंतरिक एवं हार्दिक संवाद करते हैं जिसमें स्रोत को ही इस मनुष्य जीवन का वास्तविक ध्येय के रूप में स्वीकार करते हैं। हम उनसे अपनी आंतरिक परेशानियों और अड़चनों को बताते हैं कि हम अपनी इच्छाओं की दासता के कारण आप तक नहीं पहुंच पा रहे हैं। ऐसी स्थिति में केवल आप ही हैं जो हमें अपने आप तक पहुंचा सकते हैं हममें वह ताकत या शक्ति नहीं है जिससे हम आप तक पहुंच सके। हार्टफुलनेस प्रार्थना प्रातः ध्यान के पूर्व तथा रात्रि में सोने से पहले किया जाता है।

रात्रि के समय बिस्तर पर बैठ कर मन ही मन अपने हृदय की गहराइयों में जाकर दो या तीन बार प्रार्थना को दोहराते हैं और उसके भाव पर मनन करते हैं इसका प्रभाव यह होता है कि हम पूरी रात स्रोत से जुड़े रहते हैं।प्रातः ध्यान के पूर्व अपनी जागरूक चेतना को हृदय पर केंद्रित करते हुए प्रार्थना को एक बार अंदर ही अंदर हैं बोलते है ताकि हम दिन भर स्रोत से जुड़े रहें। इसके बाद भाई गोपाल जी द्वारा हार्टफुलनेस प्रार्थना को व्यवहारिक रूप से प्रस्तुत किया गया तथा भाई राजकुमार , हार्टफुलनेस ट्रेनर द्वारा प्राणाहुति के माध्यम से लोगों को मेडिटेशन कराया गया। ध्यान के दौरान भाई ज्ञानेंद्र प्रकाश, डाक्टर एन आर विश्वाश एवं बहन ज्योति ने वालंटियर के रूप में सक्रिय सहयोग प्रदान किया। अंत में कालेज के प्राचार्य द्वारा छात्र–छात्राओं और प्रोफेसर को फीडबैक फार्म भरकर आगामी शनिवार को वापस करने एवम प्रत्येक शनिवार को फॉलोअप करने का सुझाव दिया गया तथा धन्यवाद के साथ कार्यक्रम समापन की घोषणा की गई।

भारी बारिश के चलते पुलिया हुई ध्वस्त

योगी सरकार की गड्ढा मुक्त सड़क अभियान को जिम्मेदार अधिकारी लगा रहे पलीता

दैनिक बुद्ध का संदेश

बाराबंकी।उत्तर प्रदेश की योगी सरकार के गड्ढा मुक्त सड़क

अभियान को तार तार करने में जिम्मेदार अधिकारी लगे हुए हैं।बता दे की ब्लॉक बंकी की ग्राम पंचायत गदिया और बदन पुरवा संपर्क मार्ग पर भारी बारिश के चलते पुलिया ध्वस्त हो गई।

जबकि कुछ दिन पूर्व क्षतिग्रस्त पुलिया पर बोरियों में मिट्टी भरकर व ऊपर से ही मिट्टी डालकर लीपा पोती कर मरम्मत का कार्य करवाया गया था।लेकिन बारिश ने मरम्मत कार्य की पोल खोल कर रख दी।बारिश के बाद पुलिया दोबारा क्षतिग्रस्त हो गई और भारी वाहनों का निकलना मुश्किल हो गया।आने जाने वालों के लिए मुसीबत खड़ी हो गयी है।कभी भी किसी भी समय बड़ा हादसा हो सकता है।वही बंकी ब्लॉक की मुख्य मार्गों की सड़कें गदिया से देवा रोड संपर्क मार्ग,गदिया से चिलहटा घाट संपर्क मार्ग,गदिया से फैजाबाद रोड संपर्क मार्ग,बंकी चौराहा से दुंदपुरवा संपर्क मार्ग, सफेदाबाद से भुहेरा संपर्क मार्ग,आलापुर से गदिया संपर्क मार्ग,झंझरा पुलिया से नहर की रोड होते हुए गदिया पुलिया तक सड़कें इतनी जर्जर हो गई हैं कि निकलना दूभर हो गया है।

बड़े–बड़े गड्ढों से होते हुए छोटे–बड़े वाहन निकलते रहते हैं।और कभी–कभी हादसे का शिकार भी हो जाते हैं। कई बार कुछ सड़कों पर मरम्मत कार्य करवाया गया था लेकिन वह भी विफल हो गया अब देखने वाली बात यह है कि क्या जिम्मेदार अधिकारी जल्द ही कोई उचित निर्णय लेकर इन मार्गो का दुरुस्ती करण करवाते हैं या यूं ही आवागमन करने वाले राहगीर दुर्घटनाओं का शिकार होते रहेंगे। वहीं इस संबंध में संबंधित अधिकारी द्वारा दूरभाष के माध्यम से बात करने की कोशिस की गयी जिस पर अधिकारी ने फोन उठाना उचित नहीं समझा।

कवि गोष्ठी का हुआ आयोजन

प्रभात चंदेल ने वीर रस की रचना शहीदों को नमन कर सुनाये

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र।हम हड्डियों से बज्र का निर्माण करते

है,,,,,,शहीद स्थल प्रबंधन ट्रस्ट करारी सोनभद्र के तत्वावधान मे कवि जैराम सोनी के आवास रावर्टसगंज, मे कवि गोष्ठी का आयोजन किया गया।अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार अजयशेखर ने किया।संचालन दिलीप सिंह दीपक ने किया। मा शारदे की वंदना सरोजकुमार सिंह ने करते हुए ,,,मा भारती मा भारती हम करें तेरी आरती सुनाकर मा को नमन किए। ईश्वर विरागी ने,,,,कितने दिन आंगन आंगन पीडा के बादल बरसेगा,,,,,,सुनाकर त्रासदी का रेखांकन किए। प्रदुम्न त्रिपाठीएड ने ,,,,पीर पर्वत हुई तन विकल,,,,गीत का तब हुआ है सृजन,,,,,सुनाकर कविता के उद्भव को बताया।सुधाकर पांडेय स्वदेश प्रेम ने हास्य व्यंग्य रचना,,,,,लालू कहलें अरे नीति नीतिसवा निअराइल चौबीस,,,,,,काफी सराही गई। प्रभात चंदेल ने वीर रस की रचना शहीदों को नमन कर सुनाये,,,जब शहीद का शव आया,,,,राष्ट्रीय ता को समर्पित थी।विकास वर्मा ने,,,,नफरत के बीज बोकर वह फलता गया,,,,गंभीर रचना ने संवेदनशील ता को पंख लगा दी।रामनाथ शिवेंद्र वरिष्ठ साहित्यकार ने,,,सदभाव की उत्कृष्ट पंक्ति,,,,हमे रोटियां ही दीजिए बहुत भूख लगी है,,,दे रहे हैं गीता कुरान किसलिए,,,, सुनाकर,,,,,लोगों को सोचने पर बिबस कर दिए। लोकभाषा के श्रेष्ठ कवि जगदीश पंथी ने,,,,शहर शहर टहर टहर देख लिया,,,,सुनकर लोग भाव विभोर हो गये।बृजमोहन त्रिपाठीएड ने,,,,उठ तमक तान अंबे त्रिशूल,सुनाकर भक्तिभाव का समर्पण किया ।कवयित्री कौशिल्या चौहान ने,,,,मुझको अबला मत समझो मैं झांसी वाली रानी हूं,,,सुनाकर नारी शक्ति को मुखर स्वर देकर ओज का संचरण की।कमलनयन त्रिपाठी की शायरी,,दस्त मे हम शराबियों का शराब छूटे,,दयानंद दयालु ,,,ने विधवा की पीडा तथा जैराम सोनी ने ,,,,शक्ती सर खूब ठूस,,,,,,सुनाकर अन्तर्मन को झकझोर दिया ।आयोजन देर शाम तक चलता रहा।सभी कवियों को अंग वस्त्र लेखनी पुस्तिका माल्यार्पण कर अभिनंदन किया गया।नई बस्ती गुलाबी भवन मे उक्त आयोजन मे बेदमणि त्रिपाठी, सोनू, रिषभ शिखा, आत्मप्रकाश त्रिपाठीएड, अशोक तिवारी, दिव्या राय, जय श्री राय, राकेश राय आदि रहे।

बाढ़ से सड़क बह गया आवागवन ठप्प

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। उ. प्र. के जनपद बलरामपुर में स्थित गैसड़ी

बिसकोहर मार्ग पर बाढ़ से सड़क कट गया जिससे कई दिनों तक आवागमन ठप्प रहा था सड़क कट जाने से बाढ़ पीड़ितों को मदद भी नहीं पहुंच पा रहा था जिसे संज्ञान में लेते हुए पत्रकार रामपाल यादव ने एक टीम बनायीं जिसमें लवकुश चौधरी चिनके. मो. यार ने स्थानीय लोगों से मिलकर मिट्टी पटवाया जिससे आवागवन के साथ है बाढ़ पीड़ितों को राहत समग्री भी पहुंचाने में सुविधा हुई श्री राम पाल ने बताया कि उक्त मार्ग सैकड़ो गावों को जोड़ने वाली मार्ग है हम अपनी टीम बनाकर बाढ़ पीड़ितों की मदद कर रहे है उन्होंने बताया कि सरकारी मदद की आवश्यकता है मौके पर दर्जनों गावों में सरकारी सहायता की शक्त जरूरत है उन्हीने डी. घ्म. बलरामपुर से अनुरोध किया कि इस आपदा में विशेष ध्यान देने की जरूरत है जिससे सरकारी सहायत लोगों तक पहुंच सके।

गोंडा गोरखपुर रेलवे लाइन जीवन रक्छा के लिए उच्ची करण की मांग

दैनिक बुद्ध का संदेश

तुलसीपुर/बलरामपुर। जीवन रक्छा के लिए रेलवे लाइन गोंडा गोरखपुर उच्चीकरण की मांग भी. जा. पा. नेता अरुण प्रकाश

सिंह ने रेल प्रशासन से की है उन्होंने कहा कि यही रेलवे लाइन लाइफ लाइन का काम करती रही है लोगों की जिंदगी बचाने का काम खाद्यान्न और लोगों की जान माल की रक्षा करती आई है लेकिन बेतरतीब निर्माण और तालाबों के कब्जे की वजह से यह स्थितियाँ ज्यादा भयावह हो गई हरि सिंह नाम भारत के रेल मंत्री तथा स्थानीय सांसद और विधायकों से मांग की है कि इस रेलवे ट्रैक को पूजा करने के लिए भारत सरकार को इसका प्रस्ताव दें भारत सरकार तथा रेल मंत्रालय के रेलवे ट्रैक को करीब 6 फुट ऊंचा किया जा सके जिससे क्षेत्र के लोगों की लाइफ लाइन बन कर बाढ़ से हमेशा के लिए उसकी रक्षा कर सकें और लोगों की जान बचाई जा सक।

कार्ड धारक दर–दर भटकने के लिए मजबूर, विभागीय अधिकारी नहीं ले रहे संज्ञान

साण्डा (सीतापुर)।बिसवां तहसील क्षेत्र के विकासखंड प्रकरण की ग्राम पंचायत अरुवा की जहां सरकारी राशन की दुकान के संचालक भानु प्रताप है। लेकिन कोटेदार भानु प्रताप कार्ड धारकों को हफ्तों परिक्रमा करवाने के बावजूद भी कार्ड धारकों को राशन नहीं देता है। जिससे परेशान होकर कार्ड धारकों ने कोटेदार की शिकायत प्रधान पति से की। प्रधान पति राजीव गुप्ता ने इसकी जानकारी मीडिया कर्मियों को दी। प्रधान पति की सूचना पर मीडिया कर्मी मौके पर पहुंचे तो वहां पर कोटेदार के दरवाजे पर सैकड़ों की संख्या में कार्ड धारक मौजूद थे। जब मीडिया कर्मियों ने कार्ड धारकों से बात की तो बताया कि कोटेदार भानु प्रताप कहीं मशीन खराब है, कहीं मशीन डिस्चार्ज है। कहीं मशीन में नेटवर्क नहीं है यह कहकर हफ्तों दौड़ते हैं। लास्ट में कहते हैं मशीन बंद हो गई। अब आप लोगों को राशन नहीं मिलेगा। कार्ड धारकों का कोटेदार पर यह भी आरोप है कि किसी किसी को राशन देते भी हैं तो एक किलो किलो की कटौती करते हैं। सवाल इस बात का है कि एक तरफ योगी सरकार कोई गरीब मजदूर भूखा ना सोए इसके लिए महीने में दो बार राशन देने का काम कर रही है। लेकिन यह कोटेदार अपनी मनमानी पर पूरी तरह उतारू है। इनको शासन–प्रशासन का कोई डर नहीं। अगर ऐसा ही रहा योगी सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाएं सरकार होती नजर नहीं आ रही।

जनपद सिद्धार्थनगर के महत्वपूर्ण नम्बर

जिलाधिकारी	मो0:– 9454417530
मुख्य विकास अधिकारी	मो0:– 9454464749
एस डीएम नौगढ़	मो0:– 9454415936
एस डीएम बांसी	मो0:– 9454415937
एस डीएम डुमरियागंज	मो0:– 9454415939
एस डीएम इटवा	मो0:– 9454415939
एस डीएम शोहरतगढ़	मो0:– 9454415940
पुलिस अधीक्षक	मो0:– 9454400305
थाना मोहाना	मो0:– 9454404239
थाना जोगिया उदयपुर	मो0:– 9454404235
थाना गोलौरा	मो0:– 9454404233
थाना पथरा बाजार	मो0:– 9454404240
थाना त्रिलोकपुर	मो0:– 9454404243
थाना उसका बाजार	मो0:– 9454404244
थाना शोहरतगढ़	मो0:– 9454404241
थाना खेसरहा	मो0:– 9454404236
थाना इटवा	मो0:– 9454404234
थाना चिल्हिया	मो0:– 9454404229
थाना ढेबरूआ	मो0:– 9454404230
थाना भवानीगंज	मो0:– 9454404228
थाना मिश्रौलिया	मो0:– 9454404238
थाना सि0नगर	मो0:– 9454404242
थाना डुमरियागंज	मो0:– 9454404232
थाना लोटन	मो0:– 9454404237
महिला थाना	मो0:– 9454404891

बुद्ध का संदेश
(हिन्दी दैनिक समाचार पत्र)
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स , ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट–हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद–सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित।
आर.एन.आई. नं.–UPHIN/2012/49458
संस्थापक
स्व. के.सी. शर्मा
सम्पादक
राजेश कुमार शर्मा
9415163471, 9453824459
दैनिक बुद्ध का संदेश
9795951917,9415163471
@budhakasandesh
budhakasandeshnews@gmail.com
www.budhakasandesh.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद–सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

राष्ट्रीय दैनिक
बुद्ध का संदेश

सांसद ने बाढ़ क्षेत्रों का किया दौरा वितरित की राहत सामग्री

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिरौलीगौसपुर बाराबंकी।बाढ़ प्रभावित क्षेत्र सनावां, तेलवारी, टूटरु, टटेरुआ, परसा आदि गांवों का सांसद उपेन्द्र सिंह रावत ने जायजा लिया। वहां पहुंचकर बाढ़ से प्रभावित क्षेत्र के लोगों से मुलाकात की और हरसम्भव मदद का आश्वसन दिया इसके लिए तत्काल दूरभाष से सम्बन्धित अधिकारियों से वार्ता कर निर्देशित किया । इसके उपरांत सांसद उपेन्द्र सिंह रावत ने प्रथम चरण में छूटे गाँव सिरौली गुंग, कोठी डीह, बेहड व सरहदा के बाढ़ प्रभावितों को राहत सामग्री का वितरण किया । राहत सामग्री पाकर बाढ़ प्रभावितों के चेहरे पर खुशी की लहर दौड़ पड़ी । सांसद श्री रावत ने लोगों को बताया कि दुसरे चरण की राहत सामग्री का वितरण बाढ़ प्रभावितों को कल से किया जायेगा । जिसके लिए अधिकारियों को निर्देशित कर दिया गया है । इसके लिए सभी लोगों ने सांसद उपेन्द्र सिंह रावत को धन्यवाद दिया ।इस मौके पर एम.एल.सी अंगद सिंह, मण्डल अध्यक्ष सिरौली गौसपुर संतोष पांडेय, विनोद सिंह, अजीत सिंह, स्वतन्त्र सिंह, सोनू सिंह, मुनीश सिंह, नीरज दास, बृजेश दीक्षित, सौरभ शुक्ला, शिवकुमार शर्मा सहित सैकड़ों की संख्या में लोग उपस्थित रहें ।

जिम में एक्सरसाइज के दौरान इन कारणों से आ सकते हैं चक्कर, सावधानी है जरूरी

आजकल लोग फिट रहने के लिए जिम में घंटों एक्सरसाइज करते हैं, लेकिन बहुत से लोगों को इस दौरान चक्कर या बेहोशी जैसा फील होता है। इसे वर्कआउट की थकान समझकर बहुत लोग नजरअंदाज कर देते हैं, जो गलत है। इससे फिट रहने के बावजूद आपकी जान भी जा सकती है। आज हम आपको बताएंगे कि जिम में एक्सरसाइज के दौरान व्यक्ति को चक्कर आने की क्या वजह हो सकती हैं।

डिहाइड्रेशन

जब आप एक्सरसाइज कर रहे होते हैं तो आपके शरीर को तरल पदार्थों की जरूरत होती है और इनकी कमी होने पर डिहाइड्रेशन हो जाता है। शरीर में उर्जा के स्तर को बढ़ाने के लिए पानी एक बेहतरीन विकल्प है, इसलिए पर्याप्त पानी पीना जरूरी है। हालांकि, जिम ट्रेनर प्रोटीन शेक और अन्य चीजें लेने को कहते हैं, जो तभी लेने चाहिए जब आपकी डाइट में प्रोटीन की कमी हो। इसके लिए डॉक्टर से सलाह जरूर लें।

ब्लड शुगर में गिरावट

एक्सरसाइज करते वक्त आपके शरीर को नियमित स्तर से अधिक शुगर की जरूरत होती है, इसलिए आपको ऐसा खाना खाना चाहिए जिसमें शुगर या ग्लूकोज मौजूद हो। ये आपकी सेहत को अच्छा और फायदेमंद रखने में मदद करेगा और चक्कर आना और बेहोशी को दूर रखेगा। 20–26 साल उम्र वालों में फास्टिंग शुगर लेवल 100 से 180 एमजीध्डीएल, लंच के बाद 180 एमजीध्डीएल और डिनर के बाद 100 से 140 एमजीध्डीएल तक सामान्य माना जाता है।

हाई इंटेनसिटी वर्कआउट

जब आप हाई इंटेनसिटी वर्कआउट (अधिक मेहनत वाली एक्सरसाइज) करते हैं तो शरीर पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। कभी–कभी शरीर इस तनाव को सहन नहीं कर पाता है जिससे आप बेहोश हो जाते हैं। ऐसी एक्सरसाइज तुरंत नहीं बल्कि वॉर्म अप एक्सरसाइज के बाद ही करनी चाहिए। ये रोजाना भी नहीं करनी चाहिए वरना दिल से जुड़ी समस्याएं शुरू हो सकती हैं। ऐसी एक्सरसाइज करने से पहले दिल की सेहत की जांच जरूर करवाएं।

ब्लड प्रेशर में गिरावटः ऐसे लोग जिनका ब्लड प्रेशर कम रहता है, उन्हें जिम में हाई इंटेनसिटी एक्सरसाइज करने से जल्दी चक्कर या बेहोशी हो सकती है। इतना ही नहीं, इससे जान को भी खतरा हो सकता है। विशेषज्ञों के मुताबिक, एक बालिग व्यक्ति में 95–145ध 60–90 के बीच का ब्लड प्रेशर सामान्य माना जाता है, लेकिन यह भी शारीरिक स्थितियों पर निर्भर करता है। खासतौर पर एक्सरसाइज करने वाले लोगों को जल्दी–जल्दी ब्लड प्रेशर मापते रहना चाहिए।

हेल्थ चेकअप करवाना क्यों है जरूरी?ः अगर आपको जिम एक्सरसाइज के दौरान चक्कर आते हैं और थोड़ी देर आप नॉर्मल महसूस करने लगते हैं तो इसे नजरअंदाज बिल्कुल मत करिए। यह केवल कमजोरी नहीं, एक बड़ी समस्या हो सकती है, इसलिए हेल्थ चेकअप जरूर कराएं। इसके अलावा जिम में लोगों की सेहत पर नजर रखने के लिए एक डॉक्टर की मौजूदी बहुत जरूरी है ताकि किसी भी तरह की आपातकालीन स्थिति को संभाला जा सके।

पोल्का डॉट साड़ी में अंजलि अरोड़ा ने ढाया कहर

सोशल मीडिया सेंसेशन अंजलि अरोड़ा आज किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं। उनका ड्रेसिंग सेंस और डांस मूव्स फैंस के दिलों की धड़कनें बढ़ा देती हैं। वहीं, एक्ट्रेस अपनी लेटेस्ट तस्वीरें

सोशल मीडिया पर शेयर करती रहती हैं। एक्ट्रेस अक्सर अपने फैंस के साथ निजी और प्रोफेशनल पलों को साझा करती रहती हैं। एक्ट्रेस ने हाल ही में साड़ी पहने अपनी तस्वीरें शेयर की हैं। जिसमें वो बेहद ही कमाल की नजर आ रही हैं। अंजलि अरोड़ा ने ग्लैमरस अंदाज में अपना लेटेस्ट फोटोशूट करवाया है, जिसमें एक्ट्रेस बेहद ही कमाल की अदाकारा नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस अंजलि अरोड़ा ग्रीन ब्लाउज के साथ रेड कलर की पोल्का डॉट वाली साड़ी में कहर बरपा रही हैं। अंजलि अरोड़ा अपने इस आउटफिट के साथ अपना कर्वी फिगर फ्लॉन्ट कर रही हैं। एक्ट्रेस अंजलि अरोड़ा ने अपने लुक को कंप्लीट करने के लिए ग्रीन व्हाइट ईयरिंग्स पहन रखे हैं। साथ ही अपने बालों को खुला रखा है। अंजलि अरोड़ा अपने कातिलाना अंदाज से फैंस के दिलों की धड़कनें बढ़ाए हुए हैं। सोशल मीडिया पर एक्ट्रेस अपनी लेटेस्ट तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। वहीं, फैंस उनकी एक झलक के लिए बेताब रहते हैं। अंजलि अरोड़ा हरियाणवी सॉन्ग से लेकर पंजाबी गानों के कई म्यूजिक वीडियो में नजर आ चुकी हैं। एक्ट्रेस ने दिलेर खरकिया के गाने तेरे बारगी गाने में लीड रोल निभाया है। कुछ महीने पहले एक्ट्रेस अंजली अरोड़ा, बॉलीवुड की धाकड़ एक्ट्रेस कंगना रनौत के शो लॉकअप में भी नजर आई थी। यहां उनका नाम कॉमेडियन मुनव्वर फारुकी के साथ जोड़ा जाने लगा था। अंजलि के इंस्टाग्राम पर 12 मिलियन फॉलोवर्स हैं। साथ ही उनकी फैन फॉलोइंग दिनों दिन बढ़ती ही जा रही है।

रिलीज हुआ सोनाक्षी सिन्हा और हुमा कुरैशी की डबल एक्सएल का ट्रेलर, नजर आए शिखर धवन

दुनिया को न, या तो सपने के साइज से ऐतराज होता है, या देखने वाले के साइज से यही संदेश देती है सोनाक्षी सिन्हा और हुमा कुरैशी की फिल्म डबल एक्सएल। बीते कुछ दिनों से यह फिल्म चर्चा में थी। बुधवार को फिल्म का ट्रेलर भी जारी कर दिया गया है। फिल्म बॉडी पॉजिटिविटी का मजबूत संदेश दे रही है। खास बात ये है कि फिल्म में क्रिकेटर शिखर धवन भी गेस्ट अपिरेंस में नजर आ रहे हैं।

ट्रेलर की शुरुआत होती है शिखर धवन की एंट्री से। हालांकि, सपने में हुमा शिखर के साथ खुद को डांस करता हुआ देख रही होती हैं। फिल्म की दोनों किरदार बड़े सपने देखती हैं। हुमा का किरदार स्पोर्ट्स प्रजेंटर बनना चाहता है और सोनाक्षी का किरदार फैशन डिजाइनर। हालांकि, समाज उनकी मेहनत से पहले उनके मोटापे पर ध्यान देता है। आखिर में जहीर इकबाल का किरदार इन दोनों लड़कियों के सपनों का रास्ता आसान करता दिखाई देता है।

डबल एक्सएल एक महिला केंद्रित फिल्म है, जिसका निर्देशन सतराम रमानी ने किया है। फिल्म एक कॉमेडी फिल्म है जो फैटशेमिंग के खिलाफ कड़ा संदेश देती है। टी–सीरीज, वाकाओ फिल्म्स और मुदस्सर अजीज ने फिल्म का निर्माण किया है। इस फिल्म के लिए सोनाक्षी और हुमा कुरैशी दोनों ने अपना वजन बढ़ाया है, जैसा कि टीजर में भी देखा गया था। फिल्म हल्के–फुल्के अंदाज में एक गंभीर विषय पर चोट करती है।

एक दिन पहले ही फिल्म से शिखर की तस्वीरें सामने आई थीं। इससे क्रिकेट प्रशंसक भी खुश हो गए थे। फिल्म का हिस्सा होने पर शिखर ने भी खुशी जताई थी। उन्होंने कहा, जब मुझे यह मौका मिला और मैंने यह कहानी सुनी तो इसने मुझे काफी प्रभावित किया। यह पूरे समाज के लिए एक प्यारा सा संदेश है। मुझे उम्मीद है कि यह युवा लड़के, लड़कियों को उनके सपने पूरे करने के लिए प्रेरित करेगी। यह फिल्म पहले 14 अक्टूबर को रिलीज होने वाली थी, लेकिन इसकी रिलीज टल गई। अब यह फिल्म 4 नवंबर को कैटरीना कैफ की फिल्म फोन भूत से टकराएगी। फिल्म में सोनाक्षी सिन्हा जहीर इकबाल के साथ नजर आएंगी। दोनों अकसर अपने रिश्ते को लेकर सुर्खियों में रहते हैं। बीते दिनों दोनों की सगाई को लेकर भी खबरें आई थीं। हालांकि, दोनों ही सितारों ने इसपर खुद कोई बयान नहीं दिया है।

ऐश्वर्या राजेश–स्टारर फरहाना पहुंची पोस्ट प्रोडक्शन के अंतिम चरण में

निर्देशक नेल्सन वेंकटेशन की आगामी फिल्म, फरहाना, जिसमें अभिनेत्री ऐश्वर्या राजेश मुख्य भूमिका में हैं, पोस्ट–प्रोडक्शन के

अंतिम चरण में है। फिल्म जल्द ही रिलीज होगी। फिल्म की यूनिट से जुड़े सूत्रों का कहना है कि, शूटिंग समय पर पूरी हो गई थी और फिल्म का पोस्ट प्रोडक्शन का काम भी अपने अंतिम चरण में है। टीम फिल्म का पहला गाना रिलीज करने के लिए पूरी तरह तैयार है। ड्रीम वॉरियर पिक्च र्स द्वारा निर्मित इस फिल्म में ऐश्वर्या एक ऐसा किरदार निभाती नजर आएंगी, जो उन्होंने पहले कभी नहीं किया है। निर्देशक सेल्वाराघवन, जीतन रमेश, किट्टी, अनुमोल और ऐश्वर्या दत्ता सहित अभिनेता भी इस फिल्म में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जिसका छायांकन गोकुल बेनॉय द्वारा किया गया है, जो पन्नैयारम पद्मिनियम, मॉन्स्टर और रत्चसी जैसी फिल्मों में अपने □श्यों के लिए जाने जाते हैं। जस्टिन प्रभाकरन, फिल्म के संगीत निर्देशक हैं जबकि राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता साबू जोसेफ इसके संपादक हैं। लोकप्रिय कवि और लेखक मानुष्यपुत्रन ने फिल्म के संवाद लिखे हैं। लेखक शंकर दास और रंजीत रवींद्रन ने पटकथा के लिए निर्देशक नेल्सन के साथ सहयोग किया है।

क्या करें जब प्रेग्नेंसी में हीमोग्लोबिन कम हो जाए, जानें बढ़ाने के टिप्स

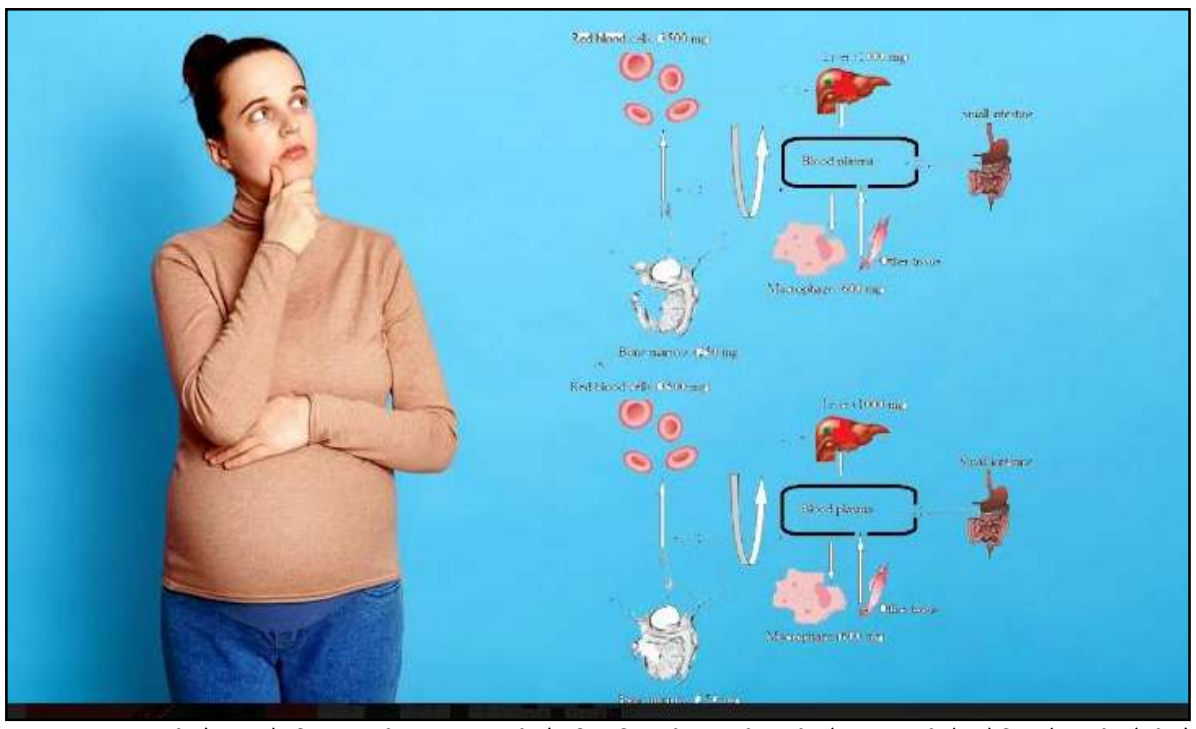

मां बनने के दौरान शरीर में कई तरह की जटिलताएं आती हैं. जब आप प्रेग्नेंट होती हैं तो इस बात की आशंका हमेशा बनी रहती है कि आपमें खून की कमी या एनीमिया हो सकता है। दरअसल, जब एनीमिया होती है तो हेल्दी ब्लड सेल्स नहीं बनते. यानी ब्लड सेल्स में हीमोग्लोबिन की मात्रा बहुत कम हो जाती है. चूंकि हीमोग्लोबिन ही ऑक्सीजन को शरीर के सभी अंगों तक पहुंचाता है, इसलिए ऑक्सीजन को आपके शरीर के विभिन्न अंगों और बच्चे तक पहुंचने में दिक्कत होती है. प्रेग्नेंसी के दौरान बॉडी खून को ज्यादा बनाती है ताकि बच्चे का विकास हो सके.

रिपोर्ट के मुताबिक जब शरीर में आइरन या अन्य पोषक तत्वों की कमी हो जाती है तो खून का बनना भी कम हो जाता है. प्रेग्नेंसी के दौरान महिलाओं में हीमोग्लोबिन यानी घ्क्च का लेवल ज्यादा होना चाहिए. प्रेग्नेंट महिलाओं में हीमोग्लोबिन का लेवल 12 से कम नहीं होना चाहिए. अगर 11 से कम हो तो इसका मतलब है कि आपको एनीमिया है. अगर समय पर ध्यान न दिया जाए तो मां और बच्चे दोनों की सेहत को खतरा हो सकता है. हीमोग्लोबिन कमी के लक्षण क्या हैं प्रेग्नेंसी के दौरान अगर शरीर में हीमोग्लोबिन की कमी हो जाए तो सबसे ज्यादा थकान रहती है. घबराहट और कमजोरी महसूस होती है. . त्वचा, होंठ और नाखून पीले पडने लगते हैं. कभी–कभी चक्कर भी आने लगता है. सांस लेने में कभी–कभी दिक्कत हो सकती है, सांस फूलने लगता है. दिल की ध ड़कन तेज हो सकती है. किसी चीज पर ध्यान केंद्रित करने में दिक्कत होती है. क्या करना चाहिएः प्रेग्नेंसी के दौरान खून के लेवल को मैंटेन रखना बहुत जरूरी है. इसके लिए अच्छी डाइट जरूरी है. विटामिन बी 12 की कमी के कारण हीमोग्लोबिन में कमी होती है. इसके लिए विटामिन बी 12 वाली डाइट लेनी चाहिए. डॉक्टर आपको मीट, अंडा और डेयरी प्रोडक्ट लेने की सलाह दे सकते हैं. इसके अलावा आयरन की कमी के कारण भी एनीमिया हो सकता है. आयरन की कमी को पूरा करने के लिए हरी पत्तीदार सब्जियां, मछली, पालक का साग, साबुत अनाज, बींस, मसूर की दाल, ड्राई फ्रूट्स, सीड्स आदि का सेवन करें. विशेषज्ञों के मुताबिक जब शरीर में विटामिन सी की पर्याप्त मात्रा होती है तो यह आयरन को बॉडी में एब्जोर्ब रखता है. इसलिए विटामिन सी से युक्त डाइट को लेना चाहिए. इसके लिए साइट्रस फ्रूट, स्ट्रॉबेरी, कीवी, टमाटर आदि का पर्याप्त सेवन करें.